CFM NEWS 24 x 7 COALFIELD MIRROR हर पल आपके साथ

कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | बुधवार 01 मई 2024 | वर्ष-07 | अंक-1015 | पृष्ठ-06 | RNI (TA) No. 2022027633

ममता बनर्जी घुसपैठिया वोट बैंक को नाराज नहीं करना चाहती- अमित शाह

कोलफील्ड मिरर 01 मई (बर्दवान): पूर्व बर्धमान जिले के मेमारी में भाजपा द्वारा आयोजित चुनावी रैली में अमित शाह शामिल हुए, उन्होंने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ममता राम मंदिर उद्घाटन में शामिल नहीं हुईं, क्योंकि वो "घुसपैठिया वोट बैंक" को नाराज नहीं करना चाहती थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा वार किया। वह पूर्व बर्धमान जिले के मेमारी में चुनावी रैली में पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव यह तय करने वाला है कि यहां कि जनता किसे चाहती है, परिवार राज या राम राज्य। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी और टीएमसी

नेता राम मंदिर प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए, क्योंकि उन्हें डर था कि घुसपैठिए, जो उनकी पार्टी के वोट बैंक हैं, नाराज हो सकते हैं। अमित शाह ने आरोप लगाया कि टीएमसी "संदेशखली के दोषियों को बचाना" चाहती है, लेकिन भाजपा उन्हें दंडित करेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि "इस बार का चुनाव यह तय करेगा कि क्या आप भतीजे (अभिषेक बनर्जी) को बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में चाहते हैं या नरेंद्र मोदी को भारत के प्रधान मंत्री के रूप में चाहते हैं। ममता बनर्जी और उनके भतीजे भाजपा कार्यकर्ताओं पर जितना चाहें उतना अत्याचार कर सकते हैं, लेकिन टीएमसी की हार तय है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा सांसद प्रज्वल रेवन्ना मामले में कहा कि भाजपा महिलाओं को अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी।

बता दें कि 26 अप्रैल को हासन लोकसभा क्षेत्र से चुनाव हुआ था। यहां से भाजपा-जद(एस) गठबंधन के उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना हैं।

मतदान से पहले दिन में, जद (एस) ने रेवन्ना को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित कर दिया। अमित शाह ने कहा कि "मीडिया में रेवन्ना के संबंध में जो मुद्दा सामने आया है वह बहुत दुखदायी है और इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।" उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा की विचारधारा स्पष्ट है, हम मातृ और नारी शक्ति का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकते।

दरअसल पूर्व प्रधान मंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े यौन शोषण के वीडियो क्लिप पिछले कुछ दिनों में हासन में प्रसारित किए गए थे। गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस आरोप लगा रही है कि इस घटना में एनडीए सहयोगी का उम्मीदवार शामिल है, "लेकिन मैं सिर्फ एक छोटा सा सवाल पूछना चाहता हूं उस राज्य (कर्नाटक) में किसकी सरकार है? उन्होंने कहा, कर्नाटक में कांग्रेस सत्ता में है और यह मामला उनके ध्यान में आया होगा। उसने अब तक इस पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? हम कोई कार्रवाई नहीं कर सकते क्योंकि कानून-व्यवस्था राज्य का मुद्दा है।

पश्चिम बंगाल राज्य सरकार के अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई जांच पर रोक

कोलफील्ड मिरर 01 मई (कोलकाता): पश्चिम बंगाल में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की 24,000 नियुक्तियां रद्द करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा आदेश जारी करते हुए पश्चिम बंगाल राज्य सरकार के अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई जांच पर रोक लगा दी है.

गौरतलब है कि शिक्षक भर्ती मामले में बंगाल सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है. ममता सरकार ने कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी है. यह मामला साल 2016 में की गई शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की लगभग 24,000 नियुक्तियों को रद्द करने के फैसले से जुड़ा है.

नियुक्तियों को रद्द करने के कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले को बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है. पिछले सोमवार को हाईकोर्ट ने शिक्षकों की भर्ती को अवैध ठहराते हुए 24,000 उम्मीदवारों को "अवैध" भर्ती के बाद मिला हुआ वेतन वापस करने का आदेश दिया था.

न्यायमूर्ति देबांग्शु बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बार राशिदी की खंडपीठ ने सीबीआई को नियुक्ति प्रक्रिया के संबंध में और जांच करने तथा तीन महीनों में एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था. पीठ ने पश्चिम बंगाल विद्यालय सेवा आयोग को नयी नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश भी दिया था. आपको बता दें कि 24,640 रिक्त पदों के लिए 23 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने 2016 एसएलएसटी परीक्षा दी थी.

पश्चिमी बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय भी जांच करती रही है. ईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 230.6 करोड़ रुपये की प्रोपर्टी अटैच की थी. प्रवर्तन निदेशालय ने 230.6 करोड़ रुपये कीमत की जमीन और फ्लैट को जब्त किया था. जब्त की गई प्रोपर्टी आरोपी प्रसन्ना कुमार रॉय, शांति प्रसाद सिन्हा और कुछ अन्य कंपनियों के नाम पर थी. प्रसन्ना रॉय के नाम पर 96 कट्ठा पथरघाटा, 117 कट्ठा सुल्तानपुर, 282 कट्ठा महेशतला और 136 कट्ठा न्यू टाउन में मौजूद है, जिन्हें ईडी ने जब्त किया था.

अभिषेक बनर्जी ने देश के गृहमंत्री अमित शाह को खुली चुनौती दी

कोलफील्ड मिरर 01 मई (कोलकाता): तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने देश के गृहमंत्री अमित शाह को खुली चुनौती दी है। बनर्जी का कहना है कि गृहमंत्री डायमंड हार्बर सीट से चुनाव लड़कर दिखाएं। टीएमसी नेता ने दावा करते हुए कहा 'अगर मैं इस सीट से चुनाव हारा, तो राजनीति छोड़ दूंगा।

अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अगर शाह चाहते हैं कि मैं राजनीति से संन्यास लूं, तो इसके लिए कुल मिलाकर तीन विकल्प मौजूद हैं।

पहला विकल्प यह है कि गृहमंत्री डायमंड हार्बर सीट से चुनाव लड़ें और जीत कर दिखाएं। दूसरा विकल्प यह कि अमित शाह राज्य की 1,64,000 करोड़ रुपये की बकाया धनराशि जारी करें। इसके अलावा तीसरा विकल्प यह कि पीएम आवास योजना की धनराशि जारी करें। टीएमसी नेता ने कहा कि देश के गृहमंत्री इन तीनों में से कोई एक विकल्प चुन सकते हैं। बनर्जी ने यह भी कहा कि डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के लिए अभी नामांकन शुरू नहीं हुआ है।

कुछ दिन पहले अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के मेमारी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि ममता बनर्जी चाहती हैं कि पश्चिम बंगाल के अगले मुख्यमंत्री अभिषेक बनर्जी बनें। इसके जवाब में टीएमसी नेता ने कहा कि गृहमंत्री ने अपने बेटे को बीसीसीआई अध्यक्ष बनाया है और हर कोई उनके जैसा नहीं होता।

अभिषेक ने आगे कहा कि टीएमसी को शाह से कोई नैतिक मूल्य और विचारधारा सीखने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि अमित शाह अपने फायदे लिए राजनीति कर रहे हैं लेकिन तृणमूल कांग्रेस ऐसा नहीं करेगी।

उच्च न्यायलय के हस्तक्षेप से आईसीडीएस पर्यवेक्षकों की नियुक्ति में गतिरोध हुआ दूर

कोलफील्ड मिरर 01 मई (कोलकाता): 26 वर्षो के पश्चात आखिरकार कलकत्ता उच्च न्यायलय ने हस्तक्षेप किया और आईसीडीएस पर्यवेक्षकों की नियुक्ति में गतिरोध दूर हो गया। मंगलवार को हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि 409 कर्मचारियों की सुपरवाइजर पदों की भर्ती पर रोक नहीं लगनी चाहिए। राज्य सरकार को कुल 1729 लोगों की नियुक्ति करनी है। आईसीडीएस सुपरवाइजर के पद पर आखिरी नियुक्ति 1998 में हुई थी। अगली भर्ती प्रक्रिया 2019 में शुरू हुई।

3458 आईसीडीएस पर्यवेक्षक रिक्तियों भर्ती अधिसूचना प्रकाशित की गई थी। केंद्र सरकार की ओर से 15 सितंबर 2015 को जारी निर्देश में साफ कहा गया था कि कुल रिक्तियों में से 50 फीसदी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भर्ती पदोन्नति के आधार पर की जाए। कथित तौर पर राज्य सरकार ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए केवल 422 रिक्तियां छोड़कर शेष 3036 रिक्तियों के लिए सीधी भर्ती प्रक्रिया शुरू की थी। राज्य सरकार की इस भर्ती अधिसूचना को चुनौती देते हुए कुछ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने उच्च न्यायालय का दरवाजा

खटखटाया था।

19 सितंबर, 2023 को न्यायमूर्ति लपिता बनर्जी ने राज्य सरकार को आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से 50 प्रतिशत रिक्त पद पदोन्नति के आधार पर भरने का निर्देश दिया। लेकिन राज्य सरकार ने कथित तौर पर आदेश की अनदेखी की और भर्ती प्रक्रिया जारी रखी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की प्रमोशनल सुपरवाइजर के पद पर भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित की जाती है। 1152 अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट भी जारी की गई। कथित तौर पर राज्य ने पैनल का खुलासा किए बिना सीधे भर्ती प्रक्रिया को जारी रखा। इसलिए, 200 मेरिट-सूचीबद्ध आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने फिर से उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

13 जनवरी 2024 को जस्टिस सौमेन सेन की खंडपीठ में जस्टिस लपिता बनर्जी के आदेश को चुनौती देते हुए एक मामला दायर किया गया था। हालांकि, डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश पर कोई रोक नहीं लगाई। 30 वादियों के वकील आशीष कुमार चौधरी ने कोर्ट में जस्टिस राजशेखर मंथार को बताया कि केंद्र सरकार के निर्देश के मुताबिक, 50 फीसदी आंगनवाड़ी सुपरवाइजरों की भर्ती आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं में से की जानी चाहिए। लेकिन हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद राज्य ने इसका पालन किए बिना भर्ती प्रक्रिया जारी रखी, जो पूरी तरह से अवैध है।

उन्होंने कोर्ट से यह निर्देश देने की मांग की कि सुपरवाइजर के रिक्त पदों पर 50 फीसदी नियुक्तियां आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं में से की जाएं। सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा ने आदेश दिया कि चूंकि न्यायमूर्ति लपिता बनर्जी के आदेश पर कोई रोक नहीं है, इसलिए राज्य सरकार और पीएससी को पर्यवेक्षक के 50 प्रतिशत रिक्त पदों को आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से भरना होगा।

3458 रिक्तियों में से 1729 लोगों की नियुक्ति राज्य सरकार को आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं में से करनी है। सरकार उन 409 लोगों की भर्ती जारी रख सकती है, जिन्होंने 12 अप्रैल को प्रमोशनल पदों पर भर्ती के लिए प्रारंभिक सूची जारी की थी। बाकी बची रिक्तियों पर 1152 लोगों की मेरिट लिस्ट से नियुक्ति की जा सकती है। चूंकि यह भर्ती प्रक्रिया का मामला खंडपीठ के समक्ष लंबित है, इसलिए न्यायाधीश ने राज्य सरकार को छह सप्ताह के भीतर एक हलफनामा पेश करने का भी निर्देश दिया।

पहले दो चरणों में हुए मतदान प्रतिशत में गिरावट से भाजपा में भय- ममता बनर्जी

कोलफील्ड मिरर 01 मई (कोलकाता): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के पहले दो चरणों में मतदान प्रतिशत में गिरावट ने भाजपा को डरा दिया है। यह भाजपा नेताओं की बॉडी लैंग्वेज से स्पष्ट है।

सीएम ममता ने मंगलवार को मालदा में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा को भारत निर्वाचन आयोग से जानकारी मिली कि

मतदान प्रतिशत में गिरावट आई है। इसलिए वे डरे हुए हैं। उन्हें एहसास हो रहा है कि प्रधानमंत्री के नाम पर जनता की अपील अब पहले जैसी नहीं रही, इसलिए उनके सुर काफी हद तक नरम हो गए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल की प्रगति से ईर्ष्या करती है, इसलिए वह राज्य सरकार के खिलाफ नकारात्मक प्रचार का सहारा ले रही है।

सीएम ने इस बात पर भी दुख व्यक्त किया कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार मालदा जिले के दो लोकसभा क्षेत्रों में से किसी से भी निर्वाचित नहीं हुए। सीएम ने जनता से पूछा, "हम मालदा जिले से कभी निर्वाचित नहीं हुए। क्या आप इस बार ट्रेंड बदल सकते हैं? क्या आप इस बार भी हमें निराश करेंगे।" उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा के चुने हुए जन प्रतिनिधि चुनाव खत्म होने के बाद पांच साल तक लोगों के साथ खड़े नहीं होते हैं। इसलिए बदलाव का और दिल्ली से भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकने का समय आ गया है।

हथियार बरामदगी मामले में अनीस भी सीबीआई की जांच के घेरे में

कोलफील्ड मिरर 01 मई (कोलकाता): संदेशखाली में अबू तालेब के घर से हथियार बरामदगी मामले में अब अनीस नाम का कारोबारी भी सीबीआई की जांच के घेरे में है. सीबीआई को पता चला है कि यह कारोबारी शाहजहां को पोर्ट इलाके में विदेशी हथियारों की सप्लाई करता था. शेख के निर्देश पर वो अन्य सामानों की आड़ में चीन, म्यांमार से विदेशी हथियारों को कोलकाता बंदरगाह तक लाता था. ऐसे में सीबीआई पूछताछ के दौरान अनीस कई बड़ी साजिशों का खुलासा कर सकता है जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से संदिग्ध है.

मामले की जांच में जुटी सीबीआई को पता चला है कि जब बंगाल में लेफ्ट के शासन के दौरान शेख शाहजहां को पकड़ा भी गया था और कुछ समय के लिए वो दमदम जेल में भी बंद था.

जेल में ही उसकी मुलाकात खिदिरपुर इलाके के रहने वाले अनीस से हुई थी. आरोप है कि वह उस वक्त अवैध हथियारों का कारोबार कर रहा था. जेल से छूटने के बाद दोनों एक दूसरे के संपर्क में आए और दोस्ती हो गई. शाहजहां अनीस से मिलने के लिए बंदरगाह क्षेत्र में आता था और वहीं पर एक कॉफी शॉप में मिलता था. उस सयम इनके बीच में देसी हथियारों को लेकर डील होती थी.

सूत्रों के मुताबिक, अनीस ने माल ढुलाई के लिए एक जहाज किराए पर लिया था. बाद में उसने पानी का एक जहाज खरीद लिया था. उसी जहाज के जरिए वो चीन, म्यांमार और थाईलैंड से विभिन्न सामानों को कोलकाता बंदरगाह तक लाता था. इन्हीं सामानों की आड़ में हथियारों की सप्लाई भी होती थी. सीबीआई को इस बात का भी अंदेशा है कि शाहजहां के निर्देश पर अनीस और कई प्रतिबंधित चीजों को भारत लाता था. इसमें कई प्रतिबंधित दवाइयां भी शामिल हो सकती हैं.

सूत्रों के मुताबिक शाहजहां बंदरगाह पर अनीस के जरिए अंतरराष्ट्रीय हथियार डीलर के संपर्क में आया. उसके बाद संदेशखाली के रहने वाले एक शख्स को बंदूक दी गई जो कि शाहजहां का करीबी था. कहा जाता है कि 150 से अधिक विभिन्न प्रकार के बंदूक लाए गए. जांचकर्ताओं को यह भी पता चला है कि शाहजहां ने नागालैंड के पते पर फर्जी आधार कार्ड और पंचायत प्रमाणपत्र बनवाया था. फिर उस पते के आधार पर बंदूक का लाइसेंस लिया.

हथियार विशेषज्ञ आशीष कुमार दत्ता के अनुसार, एक व्यक्ति जिसने चीन और म्यांमार से कोलकाता में 150 से अधिक बार हथियारों की तस्करी की है, इस बात की 100 फीसदी संभावना है कि शेख शाहजहां उसका एकमात्र ग्राहक नहीं था. केवल 8 -12 बार शेख ने तस्करी के रास्ते का इस्तेमाल किया. बाकी हथियार कहां गए. इस बात की प्रबल संभावना है कि अनीस के साथ आतंकी संगठन स्लीपर सेल कनेक्शन के तार भी जुड़े हों और इसमें आईएसआई का कनेक्शन होने की भी संभावना है.

बीजेपी सांसद समिक भट्टाचार्य के मुताबिक, पश्चिम बंगाल से कई अंतरराष्ट्रीय सीमाएं लगती हैं जिसकी वजह से आतंकवाद के लिए यह एक सुरक्षित जगह है. अनीस और शेख शाहजहां का कनेक्शन साफ बताता है कि हथियारों की सप्लाई केवल एक व्यक्ति को नहीं की गई है बल्कि शेख इसका एक पार्ट है. हथियार तो पश्चिम बंगाल में आतंकी संगठनों को सप्लाई किए जाते थे. केंद्रीय एजेंसियों को इसकी जानकारी है.

इस मामले पर जहां बीजेपी ने टीएमसी पर हमला बोला है, वहीं टीएमसी नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. शांतनु सेन ने कहा कि, पोस्ट की सुरक्षा सीआईएसएफ के अधीन है. अगर बंदरगाह से हथियारों की तस्करी होती है तो ये हथियार बाहर कैसे आये? क्या सीआईएसएफ ने इसकी जांच नहीं की.

भाजपा प्रत्याशी रेखा पात्रा को मिली एक्स कैटेगरी की सुरक्षा

कोलफील्ड मिरर 01 मई (कोलकाता): बशीरबाट लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी रेखा पात्रा की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। संदेशखाली पीड़िता को गृह मंत्रालय ने एक्स कैटेगरी की सुरक्षा प्रदान की है।

बीजेपी उम्मीदवारों की सुरक्षा को लेकर आईबी ने एक रिपोर्ट दी थी, जिसके आधारा पर गृह मंत्रालय ने संदेशखाली सहित 5 उम्मीदवारों को एक्स कैटगरी की सुरक्षा मुहैया कराई गई। इन सभी की सुरक्षा में सीआईएसएफ के जवान तैनात किए जाएंगे।

रेखा पात्र ने संदेशखाली में तृणमूल के पूर्व नेता शाहजहां शेख पर महिलाओं से यौन उत्पीड़न और जमीन कब्जाने का आरोप लगाया था। इसके बाद ही जांच शुरू हुई थी। बता दें कि संदेशखाली केस का मुख्य आरोपी शाहजहां शेख जेल में बंद है।

वहीं कोलकाता हाईकोर्ट ने संदेशखाली मामले में सीबीआई जांच के आदेश दिए। लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान भाजपा इस मामले को लेकर ममता सरकार के घेर रही है।

सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट बन्दी के खिलाफ ग्रामीणों का प्रदर्शन जारी, सैकड़ो पेड़ काटे गए पर्यावरण की धज्जियां उड़ाई गई

कोलफील्ड मिरर 01 मई (रानीगंज): ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड के कुनुसतोरिया एरिया अंतर्गत महावीर कोलियरी और ओसीपी में सौर ऊर्जा उत्पादन परियोजना का निर्माण हो रहा है, एक निजी कंपनी की तरफ से इलाके में घेराबंदी करके निर्माण कार्य किया जा रहा है, क्षेत्र के पुराने पोखर की भराट कर दी गई है। इस पोखर पर वर्षों से ग्रामीण नहाते थे एवं आस्था की छठ पूजा भी करते थे, इसलिए ग्राम वासियों को नाराजगी है कि हमें पानी कहां उपलब्ध होगा.

कई ग्रामीणों ने बताया कि इस तरह गैर कानूनी रूप से सैकड़ो पेंड़ काट दिए गए हैं, इससे पर्यावरण को नुकसान होगा एवं हम सभी प्रभावित होंगे, ग्राम वासियों ने कहा कि अगर हमें इंसाफ नहीं मिला तो हम मानव अधिकार आयोग, सांसद एवं मंत्री के पास इसकी शिकायत करेंगे।

ग्रामीणों ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के लिए आसनसोल दुर्गापुर प्राधिकरण कार्यालय से एनओसी भी नहीं लि गई है, इसकी जांच की जानी चाहिए।

वही मानव अधिकार आयोग के पदाधिकारी डॉ. कोलल ने कहा कि ग्रामीणों से मिलकर घटना की विस्तृत जानकारी ली जाएगी एवं इस विषय में पर्यावरण विभाग एवं हाईकोर्ट में पिटीशन दाखिल किया जाएगा।

वहीं सुरक्षा वेलफेयर सोसाइटी की तरफ से ईसीएल मुख्यालय में पत्र भेजकर प्रोजेक्ट के बारे में आरटीआई की गई है एवं सात दिनों के अंदर रिपोर्ट मांगी गई। घटना की शिकायत दिल्ली मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष से भी की गई है।

गर्मी से बचाव: पेयजल सुनिश्चित करने के लिए आसनसोल मंडल द्वारा किया गया सक्रिय उपाय

कोलफील्ड मिरर 01 मई (आसनसोल): तापमान में वृद्धि के कारण पूर्व रेलवे का आसनसोल मंडल यात्रियों को पेयजल का सुलभ स्रोत उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है और इसके तहत आसनसोल मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर भी सभी प्रकार की व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

मौजूदा गर्मी के मौसम के दौरान सम्मानित यात्रियों को राहत प्रदान करने के लिए आसनसोल मंडल/ पूर्व रेलवे द्वारा पूरे मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर गुणवत्तापूर्ण पेयजल के वितरण की व्यवस्था की गयी है।

इस नेक पहल को आसनसोल मंडल के सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड के स्वयंसेवकों के सहयोग से प्लेटफॉर्म संख्या 02 पर और आसनसोल के प्लेटफॉर्म संख्या 05 एवं 06 के बीच मारवाड़ी युवा मंच के स्वयंसेवकों तथा जसीडीह रेलवे स्टेशन पर कर्मचारियों की सक्रिय सहज भागीदारी के साथ क्रियान्वित किया गया है।

चिलचिलाती गर्मी यात्रियों, विशेषकर बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों पर बेहद भारी पड़ रही है। चिंताजनक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, आसनसोल मंडल ने यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाया हैं कि हर किसी को शुद्ध पेयजल मिले। आसनसोल मंडल/ पूर्व रेलवे के वाणिज्य विभाग के अधिकारीगण और कर्मचारी तथा आसनसोल के सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड के स्वयंसेवक एवं मारवाड़ी युवा मोर्चा के स्वयंसेवक आसनसोल स्टेशन पर यात्रियों को पेय जल उपलब्ध कराने में अपना सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। यात्रियों ने आसनसोल मंडल की समय पर दी गयी इस सहायता के लिए आभार व्यक्त किया है। आसनसोल मंडल अपने यात्रियों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और गर्म उष्णकटिबंधीय गर्मी की स्थिति के दौरान उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए तत्पर रहेगा।

इस्को के बर्नपुर अस्पताल में जीआई एंडोस्कोपी सुविधा का उद्घाटन

कोलफील्ड मिरर 01 मई (बर्नपुर): बर्नपुर अस्पताल के मुख्य ऑपरेशन थिएटर में निदेशक प्रभारी बीपी सिंह ने अपर जीआई एंडोस्कोपी के लिए एक नए सेट-अप का उद्घाटन किया।

मौके पर अस्पताल के कई चिकित्सकों के अलावा इस्को इस्पात संयंत्र के सभी उच्च अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर दुर्गापुर स्टील प्लांट के अस्पताल के एचओएम डॉ. सौभिक रॉय जिन्होने इस नए सेट-अप के लिए मार्गदर्शक का काम किया, भी मौजूद थे।

डॉ. सौभिक रॉय द्वारा डीएसपी मुख्य अस्पताल में प्रशिक्षित हो चुके बर्नपुर अस्पताल के डिप्टी सीएमओ (सर्जरी) डॉ. विश्वरूप मुखर्जी अब से बर्नपुर अस्पताल में इस नए सेट-अप के प्रक्रिया का संचालन करेंगे।

बर्नपुर अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ॰ सुशांत सिन्हा ने बताया कि ऊपरी जीआई एंडोस्कोपी दर्द, सूजन, अपच और रक्तस्राव सहित ऊपरी पेट की शिकायतों के निदान के लिए पहली पंक्ति की जांच है। इसका उपयोग कैंसर का संदेह होने पर, किसी भी संदिग्ध घाव से बायोप्सी लेने के लिए भी किया जाता है।

इसके अलावा विभिन्न ऊपरी जीआई विकारों के उपचार पर मरीजों की ऊपरी जीआई एंडोस्कोपी द्वारा निगरानी की जा सकती है।

बर्नपुर अस्पताल में ही अब से इस सुविधा के होने से भर्ती हुए बुजुर्ग, कमजोर और गंभीर रूप से बीमार मरीजों की जांच यहीं एंडोस्कोपी के माध्यम से की जा सकेगी और उन्हे कहीं बाहर जाने का कष्ट नहीं करना होगा।

इस सुविधा के होने से कर्मचारियों, उनके आश्रितों, साथ ही पूर्व कर्मचारियों की जांच हेतु किसी बाहरी केंद्र में रेफर करने की आवश्यकता भी नहीं पड़ेगी।

इसके अलावा गैर-कैंसरग्रस्त और कैंसरग्रस्त रोगियों का फॉलो-अप और निगरानी नियमित आधार पर की जा सकेगी। प्रारंभ में, प्रक्रिया अधिकतर नैदानिक होगी, लेकिन बाद में इसे सरल चिकित्सीय प्रक्रियाओं तक विस्तारित किया जाएगा।

अहलुवालिया के समर्थन में योगी ने किया चुनाव प्रचार

कोलफील्ड मिरर 01 मई (उखड़ा): अंडाल स्थित खांद्रा बाउरी पाड़ा के निकट स्थित फुटबॉल मैदान में आसनसोल लोकसभा सीट के भाजपा प्रत्यासी एस एस अहलूवालिया के समर्थन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुनावी सभा किया, तेज धूप और गर्मी के बावजूद भी लोगो की भीड़ जमी रही, चुनावी सभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आसनसोल सीट से भाजपा प्रत्यासी को भारी मतों से जीत दिलाकर भेजे और राज्य में सुशासन लाने का कार्य करे. उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल को यहां के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बांग्लादेश बनना चाहती है, इसके साथ ही केंद्रीय परियोजनाओं को किस राज्य में लागू नहीं होने देती है, जिस जिस राज्य में भाजपा की सरकार है, उस राज्य की तरक्की लगातार हो रही है, लेकिन वो पश्चिम बंगाल को वंचित करके रखी है, पश्चिम बंगाल के लोग इलाज कराने के लिए दूसरे राज्यों में जाते हैं, यहां के स्वास्थ्य व्यवस्था खत्म हो गई है, यहां पर सिर्फ कट मनी और भ्रष्टाचार का राज चल रहा है. बंगाल की धरती ने बहुत सारे वीरों को जन्म दिया है. रामायण का बांग्ला अनुवाद यही के धरतीपुत्र कोठारी बंधुयों ने प्राण त्याग दी थी, अयोध्या राम मंदिर बनाने को लेकर बंगाल के लोगों ने अपना प्राण त्याग किया था. 1947 में मजहब के नाम पर बंगाल का बंटवारा किया गया था, क्रांति का जन जागरण शुभारंभ हुआ था. बंगाल की धरती ने बहुत सारे वीरों को जन्म दिया है, देश की आजादी में बंगाल के लोगों का बहुत बड़ा सहयोग रहा है, बंगाल सभ्यता कला और संस्कृति के लिए जाना जाता है, बंगाल के लोगों ने राष्ट्रीय गान लिखा और आज यहां राम का नाम लेना मुश्किल हो गया है, रामनवमी अखाड़ा पर हमले किए जाते हैं, जो लोग हमला करवाते हैं या हमला करते हैं, उनका बचाव यहां के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी करती है, ममता की ममता उन उपद्रवरियों पर बरसती है, इस बंगाल को बचाने के लिए मोदी जी का हाथ मजबूत करने के लिए यहां के भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से जीत दिलाइए तभी जाकर बंगाल का विकास संभव है,

मंच पर भाजपा प्रत्यासी के साथ भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी, कृष्णनंदू मुखर्जी, बप्पा चटर्जी समेत अन्य उपस्थित थे.

दुर्गापुर स्टेशन पर आरपीएफ कर्मियों की त्वरित कार्रवाई से एक यात्री की जान बची

कोलफील्ड मिरर 01 मई (आसनसोल): पूर्व रेलवे के अंतर्गत आसनसोल मंडल के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने दुर्गापुर स्टेशन पर एक बार फिर संभावित अप्रिय घटना को टाल दिया।

ट्रेन संख्या 13021 अप मिथिला एक्सप्रेस लगभग 19:22 बजे (29.04.2024) दुर्गापुर स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 02 से शुरू हुई और जब ट्रेन अपनी गति पकड़ी तभी एक घटना घटी जब एक व्यक्ति जिसका नाम राजीव सिंह उम्र लगभग 54 वर्ष, सोलहपुर (जमुई) से, बिहार का रहनेवाला जल्दबाजी में उक्त ट्रेन पर चढ़ने की कोशिश की और अपना संतुलन खोकर चलती ट्रेन और प्लेटफार्म के किनारे के बीच गिर गया।

स्थिति को देखते हुए, ड्यूटीरत आरपीएफ एएसआई/ टी.के.लाहा और महिला आरक्षी/ शिखा यादव के साथ-साथ उक्त ट्रेन के ड्यूटीरत ट्रेन निरीक्षक प्रभारी, आरपीएफ पोस्ट दुर्गापुर के एएसआई/ के. किशोर ने प्रतिक्रिया स्वरूप त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त यात्री को खतरनाक स्थिति से बाहर निकाला और निकालकर उसे प्लेटफार्म पर सुरक्षित रखा।

रेलवे सुरक्षा बल के कर्मियों के सहयोग से इस तरह के अद्भुत तरीके से बचाव के बाद यात्रियों द्वारा यात्रियों के जरूरत के समय इस तरह की मदद के लिए पूर्व रेलवे के अंतर्गत आसनसोल मंडल के रेलवे सुरक्षा बल के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

ईसीएल के तकनीकी निदेशक ने सीसीएल सीएमडी का पदभार ग्रहण किया

कोलफील्ड मिरर 01 मई (पांडवेश्वर): ईसीएल के तकनीकी निदेशक नीलेंदू कुमार सिंह ने कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी सीसीएल का सीएमडी पद संभाल लिया, सीसीएल का सीएमडी का पद वर्षो से खाली था, चयन समिति द्वारा ईसीएल के तकनीकी निदेशक नीलेंदू कुमार सिंह को सीसीएल सीएमडी के लिए चयन हुआ था, सीसीएल का सीएमडी पद पर आसीन होने पर ईसीएल के अधिकारियों ने भी खुशी का इजहार किया है, पांडवेश्वर क्षेत्र के महाप्रबंधक अजय कुमार शर्मा ने नीलेन्दु कुमार सिंह के नेतुतत्व में सीसीएल को बहुत आगे तक ले जाने की क्षमता है, झांझरा क्षेत्र के महाप्रबंधक आरसी महापात्रा ने भी खुशी का इजहार किया है, वही बंकोला क्षेत्र के जीएम संजय कुमार साहू, सोनपुर बाजारी क्षेत्र के महाप्रबंधक आनंद मोहन ने भी तकनीकी निदेशक नीलेंदू कुमार सिंह को सीसीएल का सीएमडी पद संभालने पर खुशी जताई है, वही नीलेंदु कुमार सिंह ने अपने ईसीएल में कार्यकाल में सभी के सहयोग मिलने पर अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया है,

कमलनयन झुनझुनवाला अध्यक्ष बने स्पोर्ट्स असेंबली के, सदस्यों में खुशी की लहर

कोलफील्ड मिरर 01 मई (रानीगंज): शिलपांचाल की सर्वश्रेष्ठ संस्था स्पोर्ट्स असेंबली के मैनेजिंग कमेटी वर्ष 2024 से लेकर 2026 तक के लिए अध्यक्ष पुनः कमलनयन झुनझुनवाला को बनाया गया है।

पिछले कुछ दिनों पहले मैनेजिंग कमेटी के लिए चुनाव हुआ था। संस्था के सदस्यों की मांग थी कि वापस कमलनयन झुनझुनवाला को अध्यक्ष बनाया जाए क्योंकि पिछले दो वर्षों में उनके कार्यकाल में अभूतपूर्व विकास का काम हुआ खेलकूद के क्षेत्र में भी बैडमिंटन, क्रिकेट, तैराकी, एवं अन्य कई तरह के खेलकूद का आयोजन होता रहा एवं बच्चों एवं युवाओं को प्रशिक्षण भी दिया जाता रहा है। कमलनयन झुनझुनवाला को अध्यक्ष बनाए जाने से संस्था के सारे सदस्य उन्हें बधाइयां दे रहे हैं।

संस्थापक सदस्यों का कहना है कि प्रतिभाशाली अध्यक्ष मिलने से पूरे शहर वासियों में खुशी का माहौल है। कमल झुनझुनवाला ने बताया कि संस्था के सदस्यों ने विश्वास करके फिर से मुझे अध्यक्ष बनने का अवसर दिया है दूसरे ग्रुप के 8 सदस्य भी मैनेजिंग कमेटी के बोर्ड में शामिल है हम सभी मिलजुल कर संस्था का और भी विकास करेंगे। उन्होंने बताया कि महासचिव का पद मनोज शर्मा, मुख्य सलाहकार बलराम झुनझुनवाला, कोऑर्डिनेटर पवन बाजोरिया, कोषाध्यक्ष अनिल पोद्दार, प्रथम वाइस प्रेसिडेंट पवन केजरीवाल, द्वितीय वाइस प्रेसिडेंट रवि क्याल को बनाया गया है।

पूरे कोयलांचल में संस्था का जो नवनिर्मित भव्य अत्यधिक मैरिज हाल है शहर की अधिकतर लोग की पसंद अपने बच्चों का विवाह का आयोजन वही करते हैं पांच सितारा होटल के तर्ज पर कम खर्च पर सभी सुविधाओं से लैस या सुविधा लोगों को दी जाती है। शहर का सर्वश्रेष्ठ रेस्टोरेंट का निर्माण भी किया गया है इसके अलावा जन्मदिन सालगिरह एवं अन्य प्रकार का कार्यक्रम होने के लिए डीजे कच्छ एवं अन्य कई वातानुकूलित कच्छ का निर्माण भी हुआ है वातानुकूलित जिम का भी निर्माण किया गया है।

खान सुरक्षा निदेशक की उपस्थिति में झांझरा में खान सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

कोलफील्ड मिरर 01 मई (पांडवेश्वर): ईसीएल झांझरा क्षेत्र में खान सुरक्षा निदेशक विनोद रजक की उपस्तिथि में खदान में सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस अवसर पर क्षेत्र के महाप्रबंधक आर सी महापात्रा ने खान सुरक्षा निदेशक को फूल का गुलदस्ता देकर स्वागत किया, खान सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में झांझरा क्षेत्र के एजीएम अचिंतो हलदर, डीजीएम टीके कोले,प्रबंधक एसके सिन्हा, भींटीलेशन अधिकारी फिरदौस आलम समेत झांझरा में कार्यरत निजी कंपनियों के अधिकारी समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे,

खान सुरक्षा निदेशक ने खदान में कार्य करने के दौरान सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कार्य करने की बात कही और खदान के अंदर कार्य के दौरान सभी को सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए कार्य करने पर बल दिया, क्षेत्र के महाप्रबंधक ने खान सुरक्षा निदेशक के दिशा निर्देश और डीजीएमएस के आदेश के मुताबिक सुरक्षा की अहमियत को समझते हुए कार्य करने की बात कही और सभी उपस्थित अधिकारियों से शून्य दुर्घटना का लक्ष्य लेकर ही खदान में कार्य करने के लिए उत्साहित किया,

सरदार हरजीत सिंह बग्गा बने रानीगंज गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष

कोलफील्ड मिरर 01 मई (रानीगंज): रानीगंज गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष बने सरदार हरजीत सिंह बग्गा। पहले भी कई बार वे रानीगंज गुरुद्वारा के प्रधान रह चुके हैं। आसनसोल सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी एवं सिख वेलफेयर सोसाइटी के प्रमुख पद पर हैं। सरदार हरजीत सिंह बग्गा के प्रधान बनने पर सिख संगत ने उन्हें बधाइयां दी। उन्होंने बताया कि मैनेजिंग कमेटी की जल्दी ही घोषणा की जाएगी।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए ऑनडेट पेमेंट की व्यवस्था

कोलफील्ड मिरर 01 मई (आसनसोल): अप्रैल, 2024 के लिए ऑन -डेट पेमेंट का आयोजन नये सभाकक्ष में किया गया। चेतना नंद सिंह, मंडल रेल प्रबंधक मंडल ने कुल 34 सेवानिवृत्त अधिकारियों, कर्मचारियों, मृत रेलवे कर्मचारियों के विधवाओं के बकाया राशि का निपटान, पीपीओ (पेंशन भुगतान आदेश), निपटान विवरण और उम्मीद कार्ड (सेवानिवृत्त कर्मचारी उदारीकृत स्वास्थ्य योजना (आरईएलएचएस) कार्ड के बजाय) सौंपे। इस कार्यक्रम में बबल यादव, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी, डॉ. अमित शराफ, सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी/ पी/ आसनसोल मंडल रेलवे अस्पताल और अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

आज का राशिफल

01 मई 2024
बुधवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन मिश्रित रूप से फलदायी रहेगा. कोई नया काम भी शुरू कर पाएंगे. आपके विचार जल्दी-जल्दी बदलेंगे. यात्रा का योग है. अपने वाणी पर संयम रखे. स्वास्थ्य की दृष्टि से समय उत्तम है.

वृषभ
दिन मुश्किल भरा हो सकता है. उलझनपूर्ण मानसिकता के कारण महत्वपूर्ण अवसर खो सकते हैं. नए काम शुरू करने के लिए दिन अनुकूल नहीं है. कार्यस्थल पर अपने काम से काम रखे.

मिथुन
दिन बढ़िया रहेगा. उत्साहित और ताजगी का अनुभव करेंगे. सगे- सम्बंधियों के साथ दिन खुशी में व्यतीत होगा. वैवाहिक जीवन में सुख शांति रहेगी. वित्तीय लाभ के साथ सभी काम पुरे होगे.

कर्क
दिन मिलाजुला रहेगा. परिवार में लोगों के साथ मतभेद हो सकता है. महत्वपूर्ण निर्णय ना ले. किसी के साथ संघर्ष या विवाद होने की संभावना है. स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे.

सिंह
दिन बढ़िया रहेगा. लाभ होने की संभावना है. मित्रों से मिलकर लाभ प्राप्त कर सकेंगे. घर में शुभ प्रसंग का आयोजन होगा. व्यापार में अच्छी सफलता प्राप्त कर सकेंगे. आय में वृद्धि हो सकेगी.

कन्या
दिन अच्छा रहेगा. नए काम शुरू कर सकेंगे. मान- सम्मान बढ़ेगा. सरकारी कामकाज में सफलता प्राप्त कर सकेंगे. पारिवारिक जीवन में सुख और शांति रहेगी. व्यापार के उद्देश्य से यात्रा करेंगे.

तुला
दिन बढ़िया रहेगा. व्यावसायिक क्षेत्र में लाभ की संभावना है. नौकरी और व्यापार में सहकर्मियों से पूरा सहयोग मिलेगा. लंबी यात्रा पर जा सकते है. शारीरिक अस्वस्थता का अनुभव करेंगे.

वृश्चिक
दिन मिलाजुला रहेगा. स्वभाव और व्यवहार पर काबू रखना आवश्यक है. कार्यस्थल पर किसी के साथ अनावश्यक विवाद हो सकता है. किसी नए काम की शुरुआत ना करें. स्वास्थ्य खराब रहेगी.

धनु
दिन अच्छा रहेगा. मनोरंजन का आनंद उठाएंगे. विशेष आकर्षण का अनुभव करेंगे. प्रिय व्यक्ति से मिलकर रोमांच का अनुभव होगा. वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा. नए रिश्ते की शुरुआत होगी.

मकर
दिन उत्तम रहेगा. व्यापार को बढ़ाने के लिए कोई विशेष प्रयास करेंगे. धन के लेन-देन में सरलता रहेगी. उधार देने से बचना चाहिए. घर में शांति का वातावरण बना रहेगा. धन खर्च होगा.

कुंभ
दिन मिलाजुला रहेगा. कोई भी नया काम शुरू ना करें. जल्दी-जल्दी काम करने से आप नुकसान उठा सकते हैं. कार्यस्थल पर केवल अपने काम पर ध्यान लगाएं. वाणी पर संयम रखना होगा.

मीन
दिन सामान्य रहेगा. अरुचिकर घटनाओं के कारण उत्साहजनक नहीं रहेगा. घर में परिवारवालों के साथ वाद-विवाद होगा. स्वास्थ्य की चिंता आपको रहेगी. किसी बात को लेकर मन परेशान रहेगा.

जारी हुआ जैक 12वीं तीनों स्ट्रीम का रिजल्ट

कोलफील्ड मिरर 01 मई (धनबाद): रांची/ झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जेक), रांची ने झारखंड 12वीं बोर्ड परीक्षा 2024 का रिजल्ट जारी कर दिया है. जैक इंटर का रिजल्ट मुख्य अतिथि उमा शंकर सिंह, प्रभारी सचिव शिक्षा विभाग, विशिष्ट अतिथि उत्कर्ष गुप्ता, निदेशक माध्यमिक शिक्षा, अनिल महतो जैक अध्यक्ष ने जारी किया. बोर्ड ने 12वीं आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस तीनों स्ट्रीम के रिजल्ट एक साथ जारी किए.

झारखंड बोर्ड 12वीं रिजल्ट जारी कर दिया गया है. इस साल 40.78 प्रतिशत छात्रों ने फर्स्ट डिवीजन से 12वीं परीक्षा पास की है जबकि 55.71 प्रतिशत छात्रों की सेकेंड डिवीजन आई है.

राज्यभर में 740 एग्जाम सेंटर पर कुल 3 लाख 44 हजार छात्रों ने परीक्षा दी थी, जिसमें से साइंस स्ट्रीम के कुल 94433 स्टूडेंट्स हैं, इनमें से 68203 पास हुए हैं. वहीं 72.70% छात्रों की फर्स्ट डिवीजन आई है.

इस साल 25907 स्टूडेंट्स ने कॉमर्स स्ट्रीम की बोर्ड परीक्षा दी थी जिनमें से 23235 पास हुए हैं, कॉमर्स का ओवरऑल पास प्रतिशत 90.60% रहा है, जबकि 61% स्टूडेंट्स ने फर्स्ट डिवीजन से परीक्षा पास की है, झारखंड बोर्ड 12वीं रिजल्ट में आर्ट्स में 93.3 प्रतिशत छात्र सफल हुए हैं।

झारखंड से 13 फूल और एक फल नरेन्द्र मोदी को भेंट करें'- सीएम भजनलाल शर्मा

कोलफील्ड मिरर 01 मई (धनबाद): मंगलवार को धनबाद गोल्फ़ग्राउन्ड में भाजपा प्रत्याशी धुल्लु महतो के नामांकन समारोह को संबोधित करते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मोदी सरकार की उपलब्धियां जनता के सामने रखी।

मंच से झारखंड की जनता से अपील की, उन्होंने ने कहा कि यूपीए सरकार भ्रष्टाचार व आतंकवाद के लिए जानी जाती थी और 2014 के बाद बनी मोदी सरकार विकास के लिए जानी जाती है। देश का मोदी सरकार ने ऐतिहासिक विकास किया है।

उन्होंने मोदी सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से गिनाया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोदी की उपलब्धियों को भी बताया। राजस्थान में 2014 से सभी 25 सीटें भाजपा जीत रही है। भाजपा देश की संस्कृति व विचार को लेकर चलती है। कश्मीर से 370 भी हटाएं और राम मंदिर भी बनाएं। कहीं एक पत्थर तक नहीं चला।

श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के प्रत्याशी टिकट लौटा रहे हैं। एनडीए के पास फूल और फल दोनों है। झारखंड की सभी 14 सीटों पर कब्जा करना है। इस प्रदेश से 13 कमल के फूल और एक फल नरेन्द्र मोदी को देना है।

पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने झारखंड सरकार पर साधा निशाना सभा को संबोधित करते हुए श्री मरांडी ने कहा कि झारखंड और धनबाद में लोग भय के माहौल में जी रहे है। हत्याएं और रंगदारी हो रही है। छह महीने बाद झारखंड में भाजपा की सरकार बनाएंगे तो रातों रात अपराधियों को उखाड़ फेंकेंगे। इस चुनाव में पिछले चुनाव के रिकॉर्ड को तोड़कर जीतने की चुनौती है। मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए यह चुनाव जीतना है।

सभा को संबोधित करते हुए आजसू के अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि यह चुनाव नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने के लिए हो रहा है। विपक्ष के पास प्रधानमंत्री के लिए कोई चेहरा नहीं है। मोदी ने धनबाद को सिंदरी खाद कारखाना व आईआईटी दिया। पशुपतिनाथ सिंह के जीत के रिकॉर्ड को तोड़ना है। मोदी के 400 पार में झारखंड की सभी लोकसभा सीटों को जीतकर जीतकर देना है।

भाजपा प्रत्याशी ढुलू महतो ने कहा कि जनता ने मौका दिया तो प्रधानमंत्री की एक-एक योजनाओं को धनबाद की जमीन पर उतारेंगे और विकास हेतु जान लगा देंगे।

चंदनकियारी के विधायक व प्रतिपक्ष के नेता अमर बाउरी ने कहा कि यह मतदान नरेन्द्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए करना है। साथ ही झामुमो कांग्रेस राजद की सरकार को उखाड़ फेंकना है।

आज चिलचिलाती धूप में हजारों लोगों ने ढुलू महतो के नामांकन व चुनावी सभा में भाग लिया। इसके पूर्व नामांकन के बाद ढुलू महतो ने मेमको मोड़ से रोड शो निकाला, जो गोल्फ ग्राउंड तक गया। चिलचिलाती धूप में भी लोग पैदल पांच किमी चले।

इन लोगों ने भी कार्यक्रम में अपने उदगार व्यक्त किये सभा को धनबाद के सांसद पशुपतिनाथ सिंह, गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के आजसू सांसद व प्रत्याशी चंद्रप्रकाश चौधरी, धनबाद के विधायक राज सिन्हा, निवर्तमान मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल, निरसा की विधायक अपर्णा सेन गुप्ता, बोकारो के विधायक विरांची नारायण, गोमिया के आजसू विधायक लंबोदर महतो, बेरमो के पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बाटुल, विनय सिंह, रागिनी सिंह, तारा देवी, सुरेश साहू, सत्येंद्र कुमार, गणेश मिश्रा, सरोज सिंह, ज्ञान रंजन सिन्हा, संजीव अग्रवाल आदि ने संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन घनश्याम ग्रोवर ने किया।

कोयलांचल में बदला चुनाव का रंग, ललन चौबे ने बुढ़ापे में थामा भाजपा का दामन

कोलफील्ड मिरर 01 मई (धनबाद): मंगलवार को भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के नामांकन के बाद धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में हुई सभा के बीच बुजुर्ग कांग्रेसी नेता ललन चौबे भाजपा में शामिल हो गए। धनबाद, भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के मंगलवार को नामांकन के बाद धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में हुई सभा के बीच बुजुर्ग कांग्रेसी नेता ललन चौबे भाजपा में शामिल हो गए. इसके पहले उन्होंने कांग्रेस व इंटक से इस्तीफा दे दिया था,

धनबाद से कांग्रेस उम्मीदवार अनुपमा सिंह को बनाए जाने का वह विरोध कर रहे थे, इस्तीफा देने के बाद आज वह भाजपा में शामिल हो गए, मंच पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने उन्हें अंग वस्त्र भेट कर भाजपा में शामिल कराया, यह परिवर्तन लोगों को आश्चर्य में भी डाल दिया है, क्योंकि ललन चौबे कांग्रेस के पुराने नेता रहे है. पूर्व सांसद ददई दुबे के वह प्रबल समर्थक बताए जाते है. अनुपमा सिंह को टिकट मिलने के बाद ही उन्होंने इस्तीफा देने की घोषणा की थी, उसके बाद अनुपमा सिंह के पति अनूप सिंह ने कहा था कि ललन चौबे और ढुल्लू महतो में कोई अंतर नहीं है, जो भी हो लेकिन इस्तीफा देने के पहले ललन चौबे विधायक अनूप सिंह पर काफी हमलावर थे,

इस हमले की परिणिति आज भाजपा में शामिल होकर सामने आई, वैसे भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो तो बोकारो जाकर पूर्व सांसद ददई दुबे से भी मुलाकात की थी, इसका फोटो भी खूब वायरल हुआ था, ददई दुबे से उन्होंने जीत का आशीर्वाद लिया था, जो भी हो लेकिन लगता है कि धनबाद में आया राम गया राम का सिलसिला एक बार फिर शुरू होगा, इससे किस पार्टी को कितना फायदा होगा, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा, धनबाद लोकसभा चुनाव घात- प्रतिघात का भी कहानी लिखेगा।

माही क्रिकेट क्लब की खिलाड़ियों का हरफनमौला प्रदर्शन, रामगढ़ को दी करारी शिकस्त

आनंदी कुमारी बनी प्लेयर ऑफ द मैच

कोलफील्ड मिरर 01 मई (निरसा): माही क्रिकेट क्लब कुमारधुबी की लड़कियों ने झारखंड राज्य अंतर जिला अंडर 15 क्रिकेट टूर्नामेंट में धनबाद जिला की ओर से खेलते हुए रामगढ़ को हराने में अहम भूमिका निभाई।

पाकुड़ में आयोजित इस टूर्नामेंट में रामगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट खोकर 103 रन बनाए। जवाबी पारी खेलते हुए धनबाद की टीम ने महज 9.3 ओवर में 107 रन बिना विकेट खोए बनाकर मैच जीत लिया। धनबाद जिला की ओर से खेलते हुए कुमारधुबी की अनु कुमारी यादव ने 34, आनंदी कुमारी ने 31 रन बनाए। इधर गेंदबाजी में भी धनबाद का जलवा कायम रहा। कैप्टन अंकिता कुमारी मौर्या ने दो विकेट, किंजल सिंह ने दो विकेट तथा आनंदी कुमारी ने एक विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड आनंदी कुमारी को दिया गया। कुमारधुबी की लड़कियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर झारखंड क्रिकेट संघ के आजीवन सदस्य सह माही क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष अभिजीत घोष तथा सचिव दोयल घोष,पूर्व क्रिकेटर संजय यादव, प्रोफेसर दीपक सिंह, भगीरथ रजवार एवं कुंदन कुमार राज ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

3 मई को सुनैना किन्नर के नामांकन में शामिल होंगी कौशल्यानंद गिरी किन्नर

कोलफील्ड मिरर 01 मई (धनबाद): लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर धनबाद संसदीय क्षेत्र से एकमात्र प्रत्याशी सुनैना किन्नर आगामी 3 मई को नामांकन करेगी। उन्होंने अपना नामांकन पत्र भी ले लिया है और आगामी 3 मई वह नामांकन करेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है की कई प्रत्याशी आला कमान के द्वारा उनके नामांकन के दौरान बड़े नेताओं के साथ बुलाया जाता है परंतु धनबाद से लोकसभा प्रत्याशी सुनैना किन्नर जिसके नामांकन के दिन मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश की राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य व किन्नर अखाड़ा सनातन महामंदेश्वर एवं प्रयागराज नगर निगम के ब्रांड एंबेसडर कौशल्या नंद गिरी किन्नर भाग लेगी। उनकी तैयारी किन्नर समाज जोरों से कर रही है। यह धनबाद के लिए एक बहुत बड़ी बात है कि झारखंड में पहली बार और धनबाद लोकसभा से कोई किन्नर समाज चुनाव लड़ रही है और उनके नामांकन के दौरान बंगाल और उत्तर प्रदेश, बिहार समेत कई राज्यों से केंद्र समाज के लोग के लावे कई सामाजिक संस्था के लोग भी शामिल होंगे।

लोकसभा चुनाव के लिए धुल्लु समेत 2 उम्मीदवारों ने किया नामांकन

कोलफील्ड मिरर 01 मई (धनबाद): लोकसभा चुनाव के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा के समक्ष 2 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। सबसे पहले भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी ढुल्लू महतो ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके बाद निर्दलीय उम्मीदवार प्रेम प्रकाश पासवान ने नामांकन पत्र दाखिल किया। मौके पर उपायुक्त माधवी मिश्रा, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला व अन्य लोग मौजूद थे।

लोकसभा चुनाव के लिए 3 ने खरीदा नामांकन पत्र

कोलफील्ड मिरर 01 मई (धनबाद): लोकसभा चुनाव के लिए आज 3 लोगों ने नामांकन पत्र खरीदे। इस संबंध में अपर नगर आयुक्त प्रकाश कुमार ने बताया कि आज सामान्य वर्ग के लिए 3 व्यक्ति ने 25 - 25 हजार का भुगतान करके नामांकन पत्र खरीदे। नामांकन पत्रों की बिक्री कार्यालय अवधि के दौरान कलेक्ट्रेट में की जा रही है। बिक्री काउंटर पर जिला पंचायती राज विभाग के प्रधान सहायक रमेश कुमार तिवारी, शंभु महतो, नंदलाल चौहान मौजूद थे।

दामोदर नदी में डूबे युवक का शव मिला, परिजनों की अंतिम संस्कार

कोलफील्ड मिरर 01 मई (धनबाद): भौंरा मोहलबनी दामोदर नदी में बीते कल घनुवाडीह ओपी क्षेत्र दुर्गापुर से आए अपनी दादी का अंतिम संस्कार करने 17 वर्षीय युवक सूरज वर्मा पिता अनिल वर्मा फिसल कर दामोदर नदी में गिर कर डूब गया, जब लोगो को पता चला तो उस युवक की नदी में काफी खोजबीन की गई पर युवक नहीं मिला, युवक का पिता अनिल वर्मा इस घटना से काफी मर्माहत है। सूचना पाकर मौके पर सुदामडीह पुलिस पहुंची और युवक की खोजबीन शुरू कराई। पर युवक कहीं भी नहीं मिला। आज अहले सुबह युवक का शव नदी में मिला, सुदामडीह पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम करा कर के शव परिजनों को सौंप दी। परिजनों ने मुहल्ले वासी के सहयोग से मोहलबनी मुक्तिधाम श्मशान घाट पर शव का अंतिम संस्कार कर दिया। चार दिन पूर्व अनिल की माँ गीता देवी की मृत्यु उसके नानी के घर में हुई थी। अनिल चंडीगढ़ पंजाब में मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था। अपनी माँ का अंतिम संस्कार करने सपरिवार आया था। और अंतिम संस्कार करने के दरम्यान ये घटना घटी और पुत्र से हात धो बैठा। इस घटना से युवक के परिजनों का रो -रो कर बुरा हाल है वहीं मुहल्ले वासियों में उदासी छाई हुई है।

निर्वाचन व्यय एवं अनुवेक्षण से संबंधित बिंदुओं पर व्यय प्रेक्षक ने की समीक्षा

कोलफील्ड मिरर 01 मई (धनबाद): लोकसभा आम चुनाव 2024 के निमित्त निर्वाचन व्यय एवं अनुवेक्षण से संबंधित बिंदुओं पर समीक्षा हेतु न्यू टाउन हॉल धनबाद में व्यय प्रेक्षक निखिल गोयल (आई.आर.एस) एवं आनंद कुमार (आई.आर.ए.एस) द्वारा बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में व्यय प्रेक्षक ने निर्वाचन के दौरान व्यय से संबंधित समितियों व्यय निगरानी सेल, लेखा टीम, फ्लाईंग स्कायड, स्थैतिक निगरानी दल, मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति, व्यय लेखा, वीडियो अवलोकन दल आदि के विषय में जानकारी ली।

व्यय प्रेक्षक ने निर्देशित किया कि निर्वाचन के दौरान व्यय से संबंधित समस्त गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जाये।

उन्होंने आचार संहिता के दौरान अभ्यर्थियों द्वारा किए जाने वाले व्यय की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी के व्यय अनुवीक्षण के लिए विशेष ध्यान देते हुए कार्य करने की आवश्यकता है। व्यय अनुवीक्षण कार्य के लिए गठित टीम अभ्यर्थी के खर्च की निगरानी करें। व्यय कार्यों के लिए गठित टीम व्यय के रिकार्ड मेंटेन करते हुए डेली रिपोर्ट निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि एकाउंटिंग टीम प्रतिदिन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। एसएसटी, एफएसटी, वीवीटी और वीएसटी की टीम द्वारा की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में जानकारी ली।

व्यय प्रेक्षक ने निर्देशित किया कि फ्लाईंग स्कायड, स्थैतिक निगरानी दल तथा निर्वाचन व्यय से संबंधित टीमें विभिन्न जांच नाकों सहित अन्य स्थानों पर अलर्ट रहें।

बैठक में व्यय प्रेक्षक कोषांग के वरीय/ नोडल पदाधिकारी, एमसीएमसी कोषांग के वरीय/ नोडल पदाधिकारी, एमसीसी कोषांग के वरीय/ नोडल पदाधिकारी, सहायक आयुक्त उत्पाद समेत सभी सहायक व्यय प्रेक्षक, सभी अकाउंटिंग टीम, सभी एसएसटी, सभी एफएसटी, सभी एमसीएमसी कोषांग के सदस्य, सभी विविटी, सभी वीएसटी मौजूद रहे।

हरि ओम सेवा के संस्थापक सदस्य विनोद सिंह ने की गरीब लड़की की शादी में मदद– शीतल दत्ता

कोलफील्ड मिरर 01 मई (धनबाद): तिसरा, हर एक परिस्थिति में जरूरतमंद लोगों के मदद के लिए विनोद सिंह अपने क्षमता अनुसार लगातार सहयोग कर रहे हैं, चाहे किसी गरीब लड़की के शादी हो या किसी जरूरतमंद को रक्त की जरूरत हो या गरीब छोटे बच्चों को अस्पताल में मदद पहुंचाने का काम हो। इस तरह के सभी मानव धर्म कार्य में हरिओम सेवा संस्था तथा उनके सदस्यों के द्वारा लगातार काम करने का प्रयास जारी हैं। आपको बता दे की चांदमारी के मांझी बस्ती में एक अत्यंत गरीब लड़की के शादी में हरिओम सेवा संस्था के विनोद सिंह के द्वारा 5000 सहयोग राशि और कुछ सुखा राशन देकर मदद किया और लड़की के सुखमय जीवन के लिए आशीर्वाद दिए और अपना मानव धर्म निभाएं। इसके लिए संस्था के मीडिया प्रभारी शीतल दत्ता, संस्थापक सदस्य प्रेमांशु पाल, प्रभास पाल, सूर्य गोपाल भट्टाचार्य, राणा प्रताप सिंह, सचिव हारु बावरी, राजा सिंह, बबलू बावरी, संजय रावत, अध्यक्ष डॉक्टर स्वरूप चौधरी, सक्रिय सदस्य शंकर दास, दिलीप चौहान, अभय दीक्षित, अमित सोंडा, अमित बनर्जी, मुकेश, दिनेश, अनिल, आमोद, चंदन रंजीत महतो पिंटू, रंजीत, विजय, अविनाश महतो, संचिता सहा आदि ने ढेर सारी शुभकामनाएं और बधाई दी।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

कोलफील्ड मिरर 01 मई (धनबाद): भाजपा के सांसद प्रत्याशी ढुल्लू महतो के नामांकन के बाद रोड शो के दरमियान भाजपा कार्यकर्ता संघ ठाकुर कुल्ही एवं राहरगोरा निवासियों ने चंचनी मोड़, धैया रोड पर सांसद प्रत्याशी ढुल्लू महतो का भव्य स्वागत पुष्पगुच्छ एवं माला पहनाकर किया। कार्यक्रम का संचालन बरटांड मंडल उपाध्यक्ष मनोज सिंह के द्वारा किया गया। इस स्वागत समारोह में अजीत पोद्दार, अजय चौबे, मदन मोहन सिंह, सत्यम सिंह, भोलानाथ पांडे, निमाई दा, संतोष रजक, दुर्गा सिंह, रंजीत जायसवाल, अप्पू चौरसिया, अनिल सिंह, गणेश सिंह, विक्रम, कार्तिक, सन्नी, टीटू, प्रकाश चौहान, मोहन, सुभम, जीतू राणा, रीता देवी, वीना देवी, लक्ष्मी देवी, नीतू कुमारी, मीनू विश्वकर्मा एवं भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

ओवरब्रिज पर बस और ट्रक के टक्कर में एक शख्स की मौत, कई लोग घायल

कोलफील्ड मिरर 01 मई (धनबाद): मंगलवार की अहले सुबह नेशनल हाईवे स्थित कोटालअड्डा ओवरब्रिज पर यात्रियों से भरी एक बस की ट्रक से टक्कर हो गई. ट्रक आगे था और बस पीछे. इस हादसे में ट्रक चालक की मौत मौके पर ही हो गई है. जबकि बस में सवार दर्जनों यात्री घायल हैं. राज नामक बस कोलकाता के बाबूघाट से बिहार के नवादा जा रही थी,

घटना के संबंध में यात्रियों ने बताया कि राज बस कोलकाता के बाबूघाट से बिहार के नवादा जा रही थी. वर्धमान में बस को रोका गया. जहां यात्रियों ने भोजन किया. यात्रियों को खाना खिलाने के बाद बस चालक बस को काफी तेज गति से चला रहा था.

बस की रफ्तार अधिक होने के कारण ही यह हादसा हुआ है. घटना में काफी लोगों को चोट आई है. हालत यह थी कि घटना के बाद बस में सवार सभी लोग नीचे गिर पड़े.

टक्कर काफी जबरदस्त होने के कारण बस का अगला हिस्सा पूरी तरह ट्रक के पीछे घुस गया. जिससे बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है. टक्कर के बाद बस चालक ट्रक और बस के बीच पूरी तरह फंसा रहा. पुलिस और एनएच कर्मियों की मदद से चालक और बस में सवार सभी लोगों को बाहर निकाला गया. गंभीर रुप से घायल लोगों को इलाज के धनबाद स्थित एसएनएमएमसीएच अस्पताल भेज दिया गया है, तोपचांची पुलिस घटनास्थल स्थल पर पहुंच कर जांच पड़ताल में जुट गई है।

पीड़ित परिवार, एसिड अटैक से अब तक उबर नहीं पाए हैं

कोलफील्ड मिरर 01 मई (धनबाद): हरिहरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चमड़ा गोदाम के लालूडीह रोड पर अवस्थित भूमि विवाद में किए गए एसिड अटैक मे बुरी तरह घायल रेल चालक व उसके परिवार पिछले 18 दिन से जलान अस्पताल धनबाद में इलाजरत है।

एसिड के जख्म से उबार नहीं पाए हैं। रेल चालक विनोद कुमार महतो कोलकाता अस्पताल में इलाज रत है वहीं उनकी दो पुत्री उषा कुमारी और मीरा कुमारी अब भी जालान अस्पताल धनबाद में भर्ती है। एसिड अटैक से शरीर में कई जगह गहरे जख्म जो भरा नहीं है रेल चालक विनोद कुमार ने बताया कि

दूसरे पक्ष के लोगों ने एसिड बाल्टी एवं बोतल में भरकर लाए थे। एसिड उसके पेशे से जुडे है। खरीदी हुई जमीन पर चारदीवारी का निर्माण कर रहे थे उसी वक्त उन लोगों ने पहले चारदीवारी को धव्स्त कर दिया मना करने पर मेरे चेहरे पर एसिड फेंक दिया बीच बचाव करने आई मेरी पुत्री पर एसिड फेंक दिया पहले तो हम लोग समझ नहीं पाए लेकिन बाद में जब शरीर जलने लगा तब समझ में पाये। एसिड के हमले से मेरे चेहरा और एक आंख जख्म है।

एक आख से दिखाई नहीं दे रहा है। जालान अस्पताल से मुझे रेफर किया कोलकाता अस्पताल में इलाज रत हूं। हरिहरपुर थाना पुलिस अभियुक्तों के खिलाफ अब तक किसी प्रकार की कोई ठोस कार्रवाई नहीं करने से असंतुष्ट जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसा लग रहा है कि हरिहरपुर थाना पुलिस राजनीतिक दवाव के इशारे पर छल रहे हैं। वही हरिहरपुर थाना प्रभारी गिरधर गोपाल ने कहा कि मामले की जांच की जा चुकी है। अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही।

कठिन परिस्थितियां बताकर नहीं आतीं, सजग रहे सावधान रहे

संकल्प तथा मनोबल से जीवन में सर्वोत्तम सफलता

कोलफील्ड मिरर 01 मई 2024: जीवन में कठिन परिस्थितियों कभी बता कर नहीं आतीं हैं, इसीलिए मनुष्य को हर कठिन तथा विषम परिस्थिति के लिए सदैव सजग तथा सावधान रहने की आवश्यकता है। खुशियां तथा अवसाद हर मनुष्य के जीवन के दो पहलू हैं अब यह आप पर निर्भर है कि आप इन परिस्थितियों को किस तरह अपने जीवन में आत्मसात कर संतुलित करते हैं। जीवन एक गणित की तरह है कभी-कभी दो और दो चार तथा कभी दो और दो पांच भी हो जाते हैं दो और दो पांच का मतलब विषम परिस्थितियों का सामना करना। वैसे भी जीवन मैं ऊंचाइयां पाने के लिए सदैव संघर्षरत रहना होता है। सिर्फ मानव प्रजाति में सोचने समझने और मुस्कुराने की शक्ति होती है। मनुष्य की सर्व चेतनाओं से परिपूर्ण होता है। पत्थरों में चेतना शून्य होती है, पेड़ पौधों में पल्लवित पुष्पित होती है, पशु पक्षियों में चलायमान होती है और मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है जिसमें मानव मस्तिष्क चिंतन मनन कर किसी समस्या का समाधान निकालता हैं। यह सर्वविदित है कि मनुष्य का जीवन विभिन्न सामाजिक मानसिक संघर्षों का केंद्र होता है। मनुष्य ने सदैव मानसिक शारीरिक शक्ति और दृढ़ संकल्प के बलबूते पर हर समस्या पर समय-समय पर विजय प्राप्त की है, और अपने लक्ष्य को बड़ी दृढ़ता के साथ प्राप्त किया है। मनुष्य के जीवन में जब उत्साह, ऊर्जा एवं अपनी क्षमताओं के उपयोग करने का पूर्ण रूप से आत्मविश्वास होता है तो वह परिस्थितियों का सामना बखूबी कर अपने जीवन को सुचारू रूप से संचालित करता है। एक मानव प्रजाति ही ऐसी प्रजाति है जिसकी संकल्प शक्ति इतनी ऊर्जावान एवं महत्वपूर्ण होती है कि वह प्रगति की विविधताओं, विषमताओं एवं अपार शक्ति को भी आसानी से नियंत्रित कर लेता है एवं उसका स्वयं के लिए समाज के लिए देश के लिए सकारात्मक उपयोग करने में भी सक्षम होता है। जीवन में मनुष्य को सदैव अपने आप को व्यस्त रख कार्यशील रहना चाहिए, क्योंकि व्यस्त व्यक्ति ही किसी कार्य को उसकी परिणति तक पहुंचा सकता है ,खाली दिमाग सदैव शैतान का होता है एवं उसमें नकारात्मक विचार प्रवेश कर मन को मायूस कर देते हैं। आपका मन या मनोबल या संकल्प ही जब एकाग्र चित्त ऊर्जावान तथा शक्तिशाली होगा तो आपके सामने की कितना भी क्लिष्ट व कठिन लक्ष्य हो उसमें आप सफलता अवश्य पा सकेंगे। इसलिए मनुष्य को सदैव कर्मरत रहना चाहिए। इसका यह भी अभिप्राय है कि मनुष्य को अपने आपको सदैव स्वस्थ्य एवं व्यस्त रखना चाहिए।

मन में दृढ़ संकल्प रखकर हमारी दुनिया में लोगों ने ऐसे असंभव कठिन तथा दुरूह कार्यों को अपनी जड़ मानसिक शक्ति से संभव कर दिखाया है जिसकी हम कतई कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों की विपन्न स्थिति एवं आर्थिक कमी के बावजूद उन्होंने अपनी मानसिक दृढ़ता, उच्च संकल्प शक्ति और संगठन क्षमता के दम पर भारत देश को आजाद कराया। इसमें निसंदेह महात्मा गांधी, सरोजनी नायडू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस और न जाने कितने उदाहरण हैं जिन्होंने अपनी मानसिक शारीरिक शक्ति तथा ऊर्जा के दमखम पर देश को अंग्रेजों के चंगुल से निकाल कर आजादी की हवा की सांस लेने का देशवासियों को मौका दिया है। हम उनका नमन करते हैं उन्हें श्रद्धांजलि भी देते हैं और उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति एवं संकल्प को आदर्श के रूप में लेकर अपने जीवन में उतारने का प्रयास भी करेंगे। दुनिया में अपनी मानसिक शक्ति और संकल्प से अनेक असंभव कार्य को सफलतापूर्वक संचालित संपादित करते हुए अनेक उदाहरण मिलेंगे जो वाकई में इस दुनिया के और हम सबके आदर्श महान लोग हैं। व्यक्ति यदि सादगी, ईमानदारी और निरंतरता के साथ किसी भी कार्य को सफलतापूर्वक संपादित करने का सार्थक एवं सर्वोच्च प्रयत्न करता है, तो निसंदेह सफलता उनके कदम चूमती है और वे व्यक्तियों के लिए, समाज के लिए तथा देश के लिए आदर्श पुरुष होते हैं। कोई भी महान या आदर्श व्यक्ति आसमान से अचानक नहीं आता है वह इसी धरती में पैदा हुआ सामान्य मनुष्य ही है जिसने अपने संघर्ष, इच्छा शक्ति, अदम्य साहस, संयम और संतुलन से अपने हर लक्ष्य को प्राप्त कर अपने आपको समाज से अलग कर एक आदर्श रूप में प्रस्तुत किया है। मनुष्य का हृदय या मन अनंत ऊर्जा और शक्ति का बहुत बड़ा स्रोत होता है। किसी भी बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मस्तिष्क मदद करता है फिर चिंतन करता है और कार्य योजना सुनियोजित कर, अन थक परिश्रम कर उस दुरूह लक्ष्य को प्राप्त करता है। आपका मन यदि हताश या निराश है तो आप किसी लक्ष्य की प्राप्ति नहीं कर सकते हैं। इसीलिए मन को सदैव प्रफुल्लित उत्साहित एवं सकारात्मक सोच के साथ ताजा रखें,जिससे आने वाली परिस्थितियों का सामना कर एक नए युग का सूत्रपात कर सकते हैं।

जीवन में दूसरे व्यक्तियों से पिछड़ने के कई कारण भी हो सकते हैं जिनमें से अपनी क्षमता तथा मानसिक शक्ति पर अविश्वास करना भी एक बड़ा कारण है, इसके साथ ही किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सुनियोजित योजना, अपनी क्षमताओं का आकलन एवं कार्य के साथ कठोर श्रम भी अत्यंत आवश्यक सफलता के स्तंभ हैं, अति संपन्नता के बावजूद मानसिक रूप से कमजोर व्यक्ति को असफलता का स्वाद चखना पड़ता है। इसीलिए जीवन में सफलता के लिए मानसिक स्थिति में दृढ़ता, कठोर संकल्प, एवं निरंतर श्रम अत्यंत आवश्यक तत्व हैं। अपने जीवन को सफल बनाने एवं श्रेष्ठ जीवन की निर्मात्रि आपकी इच्छा शक्ति ऊर्जा और मानसिक संतुलन ही है। यदि मानसिक संतुलन में हताशा आई तो परिणाम ऋणआत्मक भी हो सकते हैं, और यही कारण है कि चिंतकों दार्शनिकों और महान अध्यापकों ने कहा है कि मन को सदैव ऊर्जावान और सकारात्मक सोच से परिपूर्ण रख लक्ष्य प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

संजीव ठाकुर
(वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक लेखक)
चिंतक, स्तंभकार
रायपुर छत्तीसगढ़

दार्शनिक राजनीति

कोलफील्ड मिरर 01 मई 2024: भैया बिना ईंधन के गाड़ी चलती है क्या? ईंधन के बारे में पूछ कर क्यों परेशान करते हो? इसकी धधक ऊपर तक फैल कर ही तो आम जनता के जिंदगी की गाड़ी तो धो कर घिसटते हुए चल रही है। चारा डाले बिना भैंस को दुहना क्या संभव है? घाटे के बजट में भी जनता पर भारी वरदानों की वर्षा करते नेताओं के अलावा तुम्हारे और मेरे जैसे लोगों के लिए तो संभव नहीं है। अब बताओ भैया अधिकार या सत्ता के बिना जनता की सेवा कर सकते हैं क्या? सीमेंट के बिना दीवार बनाना जिस तरह संभव नहीं ठीक उसी तरह अधिकार के आश्रय के बिना प्रजा की सेवा या जनकल्याण का बोझ सिर पर उठाना संभव नहीं। दही मथकर जिस तरह मक्खन निकाला जाता है, ठीक उसी तरह अधिकार या सत्ता से ही जनसेवा उत्पन्न होती है। नेताओं की नजर में पावर यानी सत्ता सेवा का ही पर्याय है। इसीलिए नींद से जागने से लेकर इनको कुर्सी देकर आपने गलत किया है, हमें सत्ता सौंपेंगे तो आखिर आपकी भाग्य रेखाएं बदलेंगी। आपके जीवन में गुलाबों के बाग खिलाएंगे, कहते हुए जनता के कानों में मच्छरों की तरह विपक्ष भिनभिनाता रहता है। ऐसे में एक वरिष्ठ केंद्रमंत्री ने ऐसा क्यों कहा है कि अधिकार ही परम लक्ष्य बनकर राजनीति पूरी तरह बदल चुकी है। जनकल्याण बेमतलब हो गई है कहते हुए बहुत दुखी हुए। उन्होंने यहां तक कह डाला कि यह सब देखते हुए राजनीति से सन्यास लेने का मन कर रहा है। हमारे पूर्वज विद्वानों ने कहा है गाड़ी के चक्के में अगर स्नेहक (लुब्रिकेंट) नहीं लगाए तो गाड़ी नहीं चलेगी राजनीति में वही स्नेहक है सत्ता। बड़ी राशि पाना है, अपनी बात सभी से मनवाना है, अपने भ्रष्टाचार की नदी का प्रवाह निरंतर चले, ई डी और सीबीआई की नजर अपने ऊपर ना पड़े, इसके लिए जरूरी है अपनी पार्टी सत्ता में हो या फिर सत्तापक्ष का सहारा हो अन्यथा सेवा कार्य और स्वाहा कार्य दोनों बिगड़ जाएंगे और जेल की हवा खानी पड़ेगी।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

श्रमिक कल्याण के लिए अब अपरिहार्य सार्थक पहल की जरूरत

कोलफील्ड मिरर 01 मई 2024: जी हाँ आज "मई दिवस' है। मई माह की शुरुआत एक मई यानी मई दिवस या श्रमिक दिवस से होतीं है। यह श्रमिक मजदूरों के लिये महत्वपूर्ण दिवस हैं। श्रमिक दिवस (मई दिवस) मनाने का भी एक अपना इतिहास है! कई वर्षों पूर्व अमेरिका के शहर शिकागो में श्रमिकों और उनके प्रबंधकों के बीच बड़ा भयानक खून खराबा हुआ था! इसी दिन हजारों मजदूरों को हताहत कर उनके खून से सरजमीं को लाल कर दिया गया। सेवा योजकों ने अपने काम के घंटे तय करने की माँग को लेकर जुलूस प्रदर्शन करते श्रमिकों पर - गोलियाँ चलवा दी थी। इन गोलियों से प्रदर्शनकारी श्रमिकों के कपड़े खूनी रंग से सराबोर लाल रंग से रंग गये। इसी कारण श्रमिक संगठनों के झंडे लाल रंग के होते हैं।

भारत वर्ष में श्रमिकों के लिये आज अनेक संगठन कार्यरत हैं, जो श्रमिकों के हितों एवं सेवा योजकों के अन्यायपूर्ण कार्यों पर नज़र रखकर अपना कार्य कर रहीं हैं, यहाँ की संगठनों में वामपंथ की विचारधारा ज्यादा हावी है। अधिकांश वामपंथी संगठनों के झण्डे लाल रंग के है। और इनका अभिवादन भी "लाल सलाम" होत है। हमारे यहाँ सार्वजनिक क्षेत्र के श्रमिक ज्यादा संगठित है। क्योंकि उनके पास ज्यादा से ज्यादा वेतन, बोनस, अवकाश आदि की माँगे ही रहती है, ठीक इसी तरह इन्हें सरकार से कम अपने नियोक्ताओं से ही ज्यादा मतलब होता है। वैसे इनकी ज्यादातर माँगे प्रायः पूरी भी हो जाती है, अभी हाल ही में अनेक सार्वजनिक क्षेत्रों जैसे डाक सेवा, बैंक, दूरसंचार आदि क्षेत्रों में आंदोलन हुये हैं ,और प्राय: उनकी सभी बातें लगभग मान ली गई है। कारण उनका संगठन हर दृष्टिकोण से मजबूत व संगठित हो चुका है, उनमें जागरुकता की भावना भरी हुई है, अब उनके हितों की अवहेलना कोई भी नियोक्ता ज्यादा दिनों तक नहीं कर सकता।

कोरोना काल के बाद अगर कहीं सबसे ज्यादा किसी वर्ग विशेष की कमर टूटी है तो वह है श्रमिक वर्ग और उसमें भी असंगठित श्रमिक वर्ग। देखिए सन 2019 में जब पहले पहल कोरोना ने सारे देश को अपने कुप्रभाव में लेकर देश की अर्थव्यवस्था और लोगों के काम धंधे को बुरी तरह से चौपट कर दिया था। यहां तक कि केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को जगह जगह लॉकडाउन के तहत लोगों को घर के अंदर सीमित किया गया। स्वाभाविक है यह महामारी से बचने के लिए एक बहुत बड़ा हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया उपाय था। और यही उपाय ठेले वाले रेहडी वाले चाय दुकान, दर्जी ,सब्जी दुकान तरह-तरह के श्रमिक दुकानों में काम करने वाले छोटे कर्मचारी होटलों में काम करने वाले कर्मचारी और घूम घूम के फेरी लगाने वाले मेहनतकश मजदूर वर्ग के अधिकांश श्रमिकों व ऐसे वर्ग के लोगों को दो जून की रोटी का जुगाड़ करना भी दूभर हो गया था। अनेक लोगों के घर बिक गए। सारे सामान बिक गए, और ऐसे वर्ग के लोग दाने-दाने को मोहताज हो गए। हालांकि प्रदेश की सरकारों व केंद्र सरकार ने अपनी ओर से आम जन के साथ साथ इस तरह के श्रमिक वर्ग के लोगों की हर संभव सहायता पहुंचाने का प्रयास किया फिर भी इस महामारी ने काफी नुकसान लोगों को पहुंचाया। कोरोना महामारी ने अर्थव्यवस्था की रीढ़ पर बहुत बड़ा चोट पहुंचाया है। जो अब धीरे-धीरे संभाल रही है। संगठित वर्ग के श्रमिकों को तो निश्चित ही नुकसान पहुंचा लेकिन असंगठित वर्ग के श्रमिकों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा, कोरोना वायरस महामारी की वजह से।

वहीं अभी भी निजी क्षेत्रों में अभी भी बहुत से श्रमिक असंगठित हैं। विडम्बना की बात यह है कि इन असंगठित श्रमिकों में बाल श्रमिक एवं महिला श्रमिको की ही संख्या ज्यादा है। यद्यपि असंगठित मजदूरों की समस्यायें अधिक है। कोरोना महामारी के बाद अब तो इनको और भी काम धंधे और सहायता की जरूरत है। जिसके लिए श्रमिक संगठनों को विभिन्न राज्य सरकारों और केंद्र सरकारों के समक्ष अपनी समस्याओं को रखकर श्रमिक वर्ग के कल्याण के लिए जुझना होगा। आज स्थिति यह है कि श्रमिकों के लिए बहुत कठिन स्थिति पैदा हो गई है कारोबार फिर से जमाने के लिए पूंजी नहीं है। महंगाई चरम पर पहुंचते चली जा रही है, फिर भी कोई संगठन इनके लिये आगे नहीं आ रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र के संगठन अपने तक ही सीमित हैं। यदि कभी राष्ट्रीय स्तर का आंदोलन होता है तो अवश्य इनकी सुनवाई हो जाती है। इसलिये कि पिछले वर्षों में कुछेक बार "भारत बंद" के आयोजक श्रमिक संगठनों की अगुवाई रही हैं। फिर भी निजी क्षेत्रों के श्रमिकों ने भारत बंद के आंदोलन में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया है। और देश भर में निज़ी औद्योगिकसंस्थानों में पूरी तरह काम ठप्प कर दिया गया।

ऐसी भी बात नहीं है कि निजी क्षेत्रों के श्रमिकों के लिये कुछ नहीं किया जा रहा हैं। समूचे देश में लगभग सभी राजनीतिक दलों से संबद्ध श्रमिक संगठन कार्यरत हैं। और नियमित तथा निरंतर रुप से श्रमिकों के लिये कार्य हो रहा है। उनके वेतन, बोनस, अवकाश की ढेरों समस्याओं के निदान के लिये श्रमिक संगठन कार्यरत है, किंतु उनमें अभी भी सुधार की गुंजाईश हैं। स्थानीय स्तर पर श्रमिकों की समस्यायें खासतौर से औद्योगिक जैसे मामलों को ये श्रमिक संगठन सुलझाते हैं।, श्रमिक न्यायालयों में श्रमिक व सेवा योजकों के बीच परस्पर समझौते कराने का कार्य भी ये संगठन ही करते हैं। भारत सरकार अब देश में बाल मजदूरी प्रथा समाप्त करने के लिये कठोरता से काम ले रही हैं जो प्रशंसनीय है। वहीं वह जोखिम भरे कारखानों के कार्य और बीडी काँच, कालीन उद्योगों के मालिकों की इस संबंध में बैठक आयोजित कर रही है वह भी एक अवश्यम्भावी कदम है सरकार का। क्योंकि ज्यादातार बाल एवं महिला श्रमिक इन्ही उद्योगों में कार्य करते हैं।

आज बाल मजदूर प्रथा विश्व भर में चिंता का विषय बनी हुई हैं। इंतज़ार हैं बस अब सरकार एवं नियोक्ता-सेवायोजकों की समुचित पहल का, जिससे श्रमिक वर्ग का कल्याण हो सकें।

सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"

कांग्रेस क्यों नहीं रख पा रही है अपने लोगों पर कंट्रोल

कोलफील्ड मिरर 01 मई 2024: लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा हैट्रिक की तैयारी में जुटी है। वहीं विपक्षी पार्टियों की एक के बाद एक मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। 'इंडिया' गठबंधन को मजबूत करने में जुटी कांग्रेस अब खुद कमजोर ही नजर आ रही है। कांग्रेस के नेता लगातार पार्टी से छिटकते जा रहे हैं, कांग्रेस नॉर्थ से लेकर ईस्ट तक संकट में घिरी नजर आ रही है। यहां के कई राज्यों में पिछले दो दिनों में इस्तीफों का सिलसिला देखने को मिला है।

पहले भारत जोड़ो यात्रा और अब भारत जोड़ो न्याय यात्रा के जरिए खोई साख हासिल करने में जुटी कांग्रेस अपने ही नेताओं को जोड़े रखने में विफल नजर आ रही है। फिर चाहे बात हिमाचल-बिहार की हो या फिर बंगाल-असम की। कांग्रेस के कद्दावर नेता पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम रहे हैं। नेताओं के पार्टी छोड़ने के सवाल पर राहुल गांधी कह चुके हैं कि जो भी जाना चाहता है, वह जा सकता है। उधर, जो नेता पार्टी छोड़ रहे हैं वह कांग्रेस पर अनदेखी और जैसे आरोप लगा रहे हैं।

इस्तीफों का सिलसिला इन चार राज्यों में ही सिमित नहीं है। इससे पहले महाराष्ट्र और झारखंड जैसे राज्यों में भी दलबदल का खेला देखने को मिला था। यहां कांग्रेस के कई कद्दावर नेताओं ने पार्टी छोड़कर भाजपा जॉइन कर ली। महाराष्ट्र में अशोक चव्हाण और बासवराज पाटिल जैसे बड़े नेताओं का पाला बदलना कांग्रेस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। वहीं झारखंड में भी पार्टी की एकलौती सांसद गीता कोड़ा ने भी भाजपा का दामन थाम लिया। इसके बाद भी इस्तीफों का सिलसिला जारी है।

अब हद तो तब हो गई जब देश के चुनाव में दो चरण बीत चुके हैं और तब कांग्रेस के भीतर रण छोड़ने का अलग ही चरण चल रहा है। कांग्रेस में कोई प्रदेश अध्यक्ष पद छोड़ रहा है। कोई उम्मीदवारी छोड़ रहा है। और कोई गढ़ माने जाने वाली सीट पर उम्मीदवारी का पत्ता ही नहीं खोल रहा है। अब सोमवार को दस्तक देती खबर मध्य प्रदेश की बड़ी लोकसभा सीट इंदौर से आई, जहां बारात तैयारी थी, बाराती तैयार थे, लेकिन अचानक दूल्हा पलट गया। यानी इंदौर में कांग्रेस प्रत्याशी ने नामांकन वापसी के आखिरी दिन खुद ही अपना पर्चा वापस लेकर कांग्रेस को स्वच्छता में टॉप रहने वाले शहर इंदौर से चुनाव में साफ कर दिया।

400 पार का नारा देती भाजपा देश में एक सीट निर्विरोध जीत चुकी है, दो पर जीत पहले से तय मानी जा रही है। क्योंकि मध्य प्रदेश की खजुराहो सीट पर'इंडिया 'गठबंधन की प्रत्याशी मीरा यादव का पर्चा दस्तखत ना होने से खारिज हो गया। यहां बाद में'इंडिया 'गठबंधन ने अपना प्रत्याशी न रहने पर ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के कैंडिडेट को समर्थन दे दिया है। फिर गुजरात के सूरत में कांग्रेस के अधिकृत और डमी, दोनों प्रत्याशी का पर्चा खारिज हो गया था। बाकी बसपा समेत निर्दलीय प्रत्याशियों ने पर्चा वापस से लिया। भाजपा के प्रत्याशी निर्विरोध जीत गए। अब मध्य प्रदेश के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के गृह जिले इंदौर की सीट पर कांग्रेस के प्रत्याशी अक्षय बम ने अपना पर्चा वापस ले लिया। है।

इतना ही नहीं, जब इंदौर में कांग्रेस प्रत्याशी नामांकन वापस लेने पहुंचे तो उनके साथ कलेक्टर ऑफिस में भाजपा विधायक रमेश मेंदोला देखे गए। और फिर भाजपा में शामिल होने के लिए मध्य प्रदेश के बड़े नेता कैलाश विजयवर्गीय के साथ अक्षय कांति बम निकल पड़े। अब सवाल उठता है कि आखिर क्यों कांग्रेस प्रत्याशी ने ऐसा किया? कहीं सरकार पलटे या विधायक। तुरंत ऑपरेशन लोटस के आरोप लगते हैं। इंदौर में कांग्रेस प्रत्याशी के पर्चा लेकर पलटने पर भी आरोप लगाया जा रहा है कि कांग्रेस प्रत्याशी की कोई कमजोर नस दबाई गई है।

इंदौर में कांग्रेस की शहर कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव को कलेक्टर दफ्तर के बाहर फोन पर कांग्रेस के किसी नेता को कॉल करके गुस्सा निकालते देखा गया। इस दौरान वह फोन पर कह रहे थे, "मैं शुरु से कह रहा था कि नाम वापस लेगा, पैसा देखकर टिकट दिया क्या योगदाना था? क्या संघर्ष किया? पार्टी हाईकमान को देखना चाहिए हमारे जैसे कार्यकर्ता को मार रही है। अकेले खड़े हैं, वो निकल गया। पार्टी क्यों देती है पैसा देखकर, काम को आधार नहीं बनाते हो?

यानी कांग्रेस के ही स्थानीय नेता अपने ही प्रत्याशी पर पहले से सवाल उठाते आए। उन्हें डर था कि ये पार्टी पाला पर्चा सब बदलेंगे। हुआ वही जो कांग्रेस के नेताओ को डर था। अब सवाल है कि खजुराहो, सूरत और इंदौर में जो हुआ, क्या आगे मध्य प्रदेश में और भी किसी सीट पर हो सकता है? जवाब में मुख्यमंत्री मोहन यादव कहते हैं कि हमारा दर खुला है, खुला ही रहेगा, तुम्हारे लिए। उन्होंने कहा, "करीब ढाई लाख लोग ज्वाइन कर रह हैं, हमको सेलेक्शन करना पड़ता है किस को आने दें। 179 पूर्व विधायक पार्टी ज्वाइन कर चुके हैं, पार्टी का बढ़ता ग्राफ है। छतरी में अधिकांश लोग समाहित हो रहे हैं। कांग्रेस सोचे उनके लोग पार्टी क्यों छोड़ रहे हैं।

बता दें कि हर चरण के चुनाव से पहले भाजपा के खाते में एक अच्छी खबर आ रही है। फर्स्ट फेज से पहले खजुराहो में सपा प्रत्याशी का पर्चा खारिज हुआ। दूसरे फेज से पहले सूरत में कांग्रेस प्रत्याशी का पर्चा खारिज हुआ। तीसरे फेज से पहले अब इंदौर में कांग्रेस प्रत्याशी ने अपना पर्चा वापिस ले लिया। और अब उस सीट की दस्तक के बारे में बात करते हैं, जहां 2014 में हारी भाजपा प्रत्याशी ने फिर हार नहीं मानी। उसी सीट को अपना घर बनाया। 2019 में जीत हासिल की। ये सीट है उत्तर प्रदेश की अमेठी की। जहां आज स्मृति इरानी ने ने नामांकन किया। हलफनामे में दिल्ली नहीं अमेठी में बनवाए गए घर को ही अपना पता दिखाया। इसी अमेठी को राहुल गांधी भी अपना घर आंगन कहते थे। लेकिन अमेठी से राहुल के ल़ड़ने को लेकर असमंजस अब तक बना हुआ है।

भारतीय जनता पार्टी शासित राज्य में 'इंडिया' के सीट बंटवारे के तहत कांग्रेस ने खजुराहो सीट सपा के लिए छोड़ दी थी। भाजपा ने इस सीट पर अपने प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा को इस सीट से मैदान में उतारा है। रिटर्निंग अधिकारी ने सपा प्रत्याशी मीरा यादव के नामांकन पत्र में दो कमियां निकाल दीं। पहला, फॉर्म के साथ लगी मतदाता सूची प्रमाणित नहीं है या पुरानी है। दूसरी- दो जगह हस्ताक्षर कराना था, लेकिन केवल एक ही स्थान पर साइन किया गया है। यहां सपा का पर्चा खारिज होने के बाद'इंडिया 'गठबंधन ने ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के कैंडिडेट को समर्थन दे दिया है।

सूरत लोकसभा सीट से भाजपा के मुकेश दलाल को निर्विरोध विजेता घोषित किया गया था। इस सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार निलेश कुम्भानी का नामांकन रिटर्निंग ऑफिसर ने रद्द कर दिया था। उनके प्रस्तावकों के हस्ताक्षर में गड़बड़ियों का हवाला देकर नामांकन रद्द किया गया था। कांग्रेस के उम्मीदवारों का नामांकन रद्द होने के बाद बाकी बचे 8 उम्मीदवारों ने भी अपनी उम्मीदवारी वापिस ले ली। ऐसे में भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल निर्विरोध चुन लिए गए। चुनाव आयोग ने उन्हें जीत का सर्टिफिकेट भी जारी कर दिया है। यह पहली बार है जब लोकसभा चुनाव में भाजपा का कोई सांसद निर्विरोध चुना गया हो।

अशोक भाटिया

नव-निर्माण और श्रम शक्ति का पर्याय मजदूर

कोलफील्ड मिरर 01 मई 2024: ललीत निबन्धकारों की श्रेणी में अग्रणी और विशिष्ट स्थान रखने वाले आधुनिक युग के आत्मकथात्मक शैली में निबंध लिखने वाले श्री भागवत शरण उपाध्याय जी जिन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से मजदूरों की दशा, दिशा, हालात, उनकी पीड़ा बेबसी पर बहुत सुंदर मानवीय संवेदना का चित्र प्रस्तुत किया है। इसलिए इनको स्मरण करना जरूरी हो जाता है उन्होंने लिखा है कि-

"इस दुनिया के वर्तमान स्वरूप तक विकसित होने की यात्रा में मजदूरों की विशेष महत्वपूर्ण भूमिका रही है, लेकिन मजदूरों की अपनी जिंदगी पहले की तरह आज भी अभावग्रस्त है।"

मजदूरों का नव-निर्माण करने में महत्वपूर्ण स्थान रहता है। मजदूर अभावों से ग्रस्त होकर भी पूरी दुनिया के लिए अपना पसीना बहाता है। दुनिया को विकास की पटरी पर लाता है। दिन-रात मेहनत करता है। कभी आराम नही करता। कभी सुस्ताना नही जानता। कभी आह नही करता। कभी अपनी पीड़ा, दुख-दर्द को बयां नही करता। श्रम किए जाता है। लगातार करता है। यहाँ तक कि वह अपने रूखी-सुखी भोजन के लिए समय नही निकाल पाता।

तभी उपाध्याय जी कहते हैं-

"कंधे डाल दूँ तो गजब हो जाए, दुनिया लड़खड़ाकर गिर पड़े, जमाने का दौर बंद हो जाए। पर मैं कंधे नही डालता, न डालूँगा। मैंने निरन्तर निर्माण किया है, विध्वंस न करूँगा। यदि करना हुआ तो पुनर्निर्माण करूँगा। जिसके लिए मुझे थकान महसूस नही होती, कभी अलकस नही लगती, रोवाँ-रोवाँ फड़कता रहता है।"

निबंधकार ने बहुत ही सुंदर और सार्थक बात कही। उक्त बातें चिंतन करने की है। मजदूरों के प्रति सकारात्मक नजरिया लाने की बात है। वास्तव में यदि यह मजदूर काम करना छोंड़ दे तो गजब हो जायेगा। दुनिया का विकास रुक जाएगा। नव सँस्कृति, व सभ्यता का विकास रुक जाएगा। हम नए सभ्यता से अछूते रह जाएंगे।

मजदूरों की श्रम शक्ति अनन्त है। अथाह है। पूर्व से लेकर पश्चिम तक और जहाँ जमीन आसमान मिलता दिखाई देता है उस क्षितिज तक उनके श्रम का विराट रूप देखने को मिलता है। ऐसे मजदूरों को हम नमन करते हैं। जिनके श्रम शक्ति से बंजर जमीन उपजाऊ हुई। बड़ी-बड़ी नदियों में बांध बनाया गया, दलदल जमीन को ठोस और समतल बनाया गया। उस जमीनों को धन-धान्य से हरा-भरा बनाया।

01 मई को मजदूर दिवस मनाते हैं। यह दिवस उनको समर्पित करते हैं। बहुत अच्छी बात है। इस पर हमें मनन करने की आवश्यक्ता है चिंतन करने की आवश्यकता है। जो हमारे सुख-समृद्धि और विकास के लिए अपने आप को समर्पित कर देते हैं उनको इसका कितना आर्थिक लाभ होता है? उनका जीवन स्तर कितना ऊँचा उठ पाता है? उनके जीवन मे कितना आर्थिक बदलाव आ पाता है? यह सोंचने की बात है। वह अपने लिए अपने भविष्य के लिए कितना क्या कर पाते हैं।

आज "वही ढाक के तीन पात" वाली बात चरितार्थ होती है। उनके जीवन मे कोई विशेष बदलाव नही आया। वही गरीबी भुखमरी, अशिक्षा, अभाव, पीड़ा, दुख, दर्द, परेशानी देखने को मिलती है। जो दुनिया के लिए अन्न उगाता है, वही भूखा रह जाता है, जो बड़े-बड़े घर इमारत बनाता है, टूटी-फूटी झोपडी में निवास करता है। जो कपड़ों की बड़ी-बड़ी कम्पनी चलाता है वही नँगा बदन रहता है। जिसने अपने बाजुओं के दम पर बिजली पैदा की वही अंधेरे में नारकीय जीवन बिताता है।
कुल मिलाकर यह कह सकते हैं कि-
"दिया तले अंधेरा"

अतः अब समय आ गया है कि हम उनके विकास के बारे सोंचे, उनको ऊँचा उठाने के लिए कुछ करें। इस पर शासन-प्रशासन भी सहानुभूति पूर्वक विचार करे। शासन के द्वारा बहुत सारी लाभकारी योजनाएँ जरूर चलती है, पर इसका इनको उचित लाभ नही मिला पाता। योजनाओं को फलीभूत करने के लिए इसे पारदर्शी और सरल बनाई जाए, ताकि ज्यादा से ज्यादा इनको लाभ हो सके। और अपने जीवन स्तर को ऊँचा उठा सके।

अशोक पटेल "आशु"
तुस्मा, शिवरीनारायण (छग)

उल्कापिंड छोटे आकार में पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश करते

कोलफील्ड मिरर 01 मई 2024: अभी कुछ दिनों पूर्व राजस्थान के बाड़मेर में आकाश से चमकता हुआ उल्कापिंड गिरने की खबर सुर्खियों में आई थी। जांच जारी है। तारों का टूट कर पृथ्वी की कक्षा में गिरना अलग बात है। ये एक खगोलीय घटना है जिसमें किसी ग्रह पर आकाश के एक ही स्थान से बार-बार कई उल्काएं बरसते हुए प्रतीत होती हैं। यह उल्का वास्तव में खगोलीय मलबे की धाराओं के ग्रह के वायुमंडल पर अति-तीव्रता से गिरने से प्रस्तुत होते हैं। अधिकतर का आकार बहुत ही छोटा (रेत के कण से भी छोटा) होता है इसलिए वह सतह तक पहुँचने से बहुत पहले ही ध्वस्त हो जाते हैं। अधिक घनी उल्का वर्षा को उल्का बौछार (उल्कापात) कहते हैं। उल्कापात दरअसल वे तारे न होकर छोटे आकाशीय पिंड होते हैं, जिन्हें विज्ञान की भाषा में 'उल्का' कहा जाता है। जब कोई उल्का पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करती है तो अपनी तीव्र गति से उत्पन्न हुए घर्षण के कारण वह वायुमंडल में जल उठती है। इस प्रक्रिया से उत्पन्न हुए प्रकाश के कारण वह टूटते हुए तारे प्रतीत होते हैं। इस प्रकार की खगोलीय घटना को छात्र छात्राएं, खगोल शास्त्र में रुचि रखने वालो ने अवश्य देखना चाहिए। इसी तरह उल्का पिंडों की बात करें तो वैज्ञानिकों की नजर उल्कापिंडों पर रहती है। हर साल सोशल मीडिया पर खबर आती है कि अंतरिक्ष से धरती पर उल्का पिंड गिरने की संभावना है। उल्का पिंड धरती से नहीं टकराता बल्कि एक भय का वातावरण के मन में भर जाता।अभी सोशल मीडिया पर धरती की और उल्का पिंड के नजदीक से गुजरने की संभावना की बताई जा रही है। ऐसे उल्कापिंडों का परिभ्रमण दोबारा कई वर्षो बाद फिर से संभव होता आरहा है। पृथ्वी से टकराने का ऐसी अफवाओं पर अंकुश लगाना आवश्यक है क्योंकि अंतरिक्ष में करोड़ो उल्का पिंड तैरते रहते है। जिनकी पृथ्वी से दूरी लाखों करोड़ों मील है। सभी ग्रहों का अपना गुरुत्वाकर्षण है। ऐसे छोटे-छोटे उल्का पिंड पृथ्वी के करीब यानि लाखों किलोमीटर और अत्यंत तेज रफ़्तार से गुजरते रहते है। कुछ पृथ्वी की कक्षा में आने के पूर्व नष्ट हो जाते है। भविष्य में संभावित खतरों से पृथ्वी वासियों की रक्षा के लिए नासा वैज्ञानिक, खगोल शास्त्री, आदि की अंतरिक्ष पर नजरें है। खबरों की अफवाहों को फैलने से रोका जाए।

संजय वर्मा 'दृष्टि'

कब्रिस्तान- मदरसों की मान्यता दिलाने आदि कार्यों को गिनाते हुए मुसलमानों को रिझाने की कोशिश

कोलफील्ड मिरर 01 मई (सहरसा/ बिहार): अपनी चुनावी सभाओं में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक तरफ जहां लालू-राबड़ी के शासनकाल पर निशाना साधते हैं, वहीं कब्रिस्तान की घेराबंदी और मदरसों की मान्यता दिलाने आदि कार्यों को गिनाते हुए मुसलमानों को रिझाने की भी कोशिश करते हैं।

मंगलवार को सहरसा स्थित नवहट्टा उच्च विद्यालय में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए नीतीश ने कहा कि 2005 से पहले कोई शाम में घर से नहीं निकल पाता था। रास्ता नहीं था। चिकित्सा व्यवस्था नहीं थी। हिंदू-मुस्लिम के बीच झगड़ा होता था। आज हर घर में बिजली है।

उन्होंने मदरसा में पढ़ाने वालों को नौकरी दी। आठ हजार कब्रिस्तानों की घेराबंदी कराई। चुनाव बाद और एक हजार कब्रिस्तानों की घेराबंदी कराई जाएगी। मधेपुरा से जदयू प्रत्याशी दिनेश चंद्र यादव के पक्ष में वोट देने की अपील करने आए नीतीश ने लालू परिवार पर कई आरोप लगाए।

नीतीश ने कहा, जब वह जेल गए थे तो पत्नी को आगे बढ़ाया। उनके लिए बेटा-बेटी से बढ़कर बिहार नहीं है। कांग्रेस भी परिवारवाद को आगे बढ़ा रही है। पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर भी कटाक्ष किया कि जब वह साथ थे तो गड़बड़ करते थे. इसलिए उनको हटा दिए।

नीतीश ने आगे कहा, 2008 से 2020 तक आठ लाख लोगों को नौकरी हमने दी है। 2020 के बाद पांच लाख लोगों को रोजगार दिया गया। यह आगे भी जारी रहेगा। बिहार में हम 40 सीट जीतने जा रहे हैं, इसलिए वे लोग (विपक्ष) बौखलाए हैं।

सभा की अध्यक्षता जदयू जिलाध्यक्ष चंद्रदेव मुखिया व संचालन भाजपा जिला अध्यक्ष दिवाकर सिंह ने किया। इस दौरान मंत्री विजेंद्र यादव, विजय चौधरी, सांसद संजय झा, रत्नेश सादा, पूर्व मंत्री आलोक रंजन, विधायक गुंजेश्वर साह आदि मौजूद रहे।

भीषण गर्मी में बिजली की आंख मिचौली, जनता को प्रताड़ित करने के समान- विजय शंकर नायक

कोलफील्ड मिरर 01 मई (रांची): भीषण गर्मी में बिजली की आंख मिचौली और बिजली कट बराबर होना जनता को नारकीय जीवन देकर यातना देकर प्रताड़ित करने के समान है।

उपरोक्त बातें आज संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह झारखंड प्रभारी विजय शंकर नायक ने भीषण गर्मी में बिजली की आंख मिचौली एवं बराबर बिजली कट होने पर आज अपनी प्रतिक्रिया में उक्त बातें कहीं। इन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन से मांग किया है कि 24 घंटा बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करें अन्यथा राज्य भर में संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के कार्यकर्ता सरकार के बिजली विभागों में तालाबंदी करने का काम करेंगे।

श्री नायक ने आगे कहा कि राज्य में भीषण गर्मी के साथ-साथ को लु भी चल रही है ऐसे में बिजली आपूर्ति मे बार-बार कटौती करना राज्य की जनता को यातना और नारकीय जीवन देने का समान है। इन्होंने यह भी कहा की बिजली विभाग बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हर वह कम करें जिससे कि बिजली निर्बाध गति से 24 घंटा बिजली आपूर्ति की जा सके अन्यथा इसके गंभीर परिणाम बिजली विभाग के पदाधिकारी को भुगतने पड़ेंगे।

श्री नायक नहीं अभी कहा कि दिन को तो दिन रात को भी बिजली काटने का काम किया जा रहा है जिससे आम जनता को काफी तकलीफों एवं प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है कल ही पुंदाग स्टेशन से न्यू पुंदाग, जगरनाथ विहार में भी कल रात को काफी समय तक बिजली के आपूर्ति नहीं की गई जिससे ऐसा लगता है की बिजली विभाग ने कसम खाकर रखा है की दिन को भी परेशान करेंगे और रात को चैन से जनता को सोने भी नहीं देंगे। बिजली विभाग अपनी रवैया को बदले नहीं तो इसके परिणाम ठीक नही होंगे। इन्होंने यह भी कहा की झामुमो -कांग्रेस की सरकार ने वादा किया था कि 24 घंटे बिजली हम देने का काम करेंगे मगर गर्मी आने के साथ ही साथ भीषण गर्मी पड़ने पर बिजली की आपूर्ति राज्य में चरमरा कर ध्वस्त हो गई है और राज्य की जनता को इसकी सजा भुगतना पड़ रहा। सरकार ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें कि राज्य में 24 घंटा बिजली आबाद गति से आपूर्ति की जा सके ताकि राज की जनता चैन की नींद सो सके और भीषण गर्मी से बच सके।

फिल्मी दुनिया का सुने-अनसुना एक दिलचस्प किस्सा

कोलफील्ड मिरर 01 मई 2024: सन् १९६४ की संगीतमय सफलतम फिल्मों में से एक स्त्येन बोस द्वारा निर्देशित राजश्री प्रोडक्सन की फिल्म 'दोस्ती' का संगीत देने के लिए पहले संगीतकार रोशन को आफर दिया गया था.

जी हां, निर्माता ताराचंद बड़जात्या ने अपनी फिल्म 'दोस्ती' के लिए संगीतकार रोशन को चुना था पहला आफर उन्हें ही दिया गया था। इसका एक कारण यह भी था कि इससे पहले राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'आरती' का संगीत भी रोशन ने दिया था। फिल्म का संगीत काफी सफल हुआ था। मगर इस बार फिल्म 'दोस्ती' की कहानी सुनकर रोशन ने सोचा यह कैसी फिल्म है न तो इसमें हीरो हिरोइन हैं। न खलनायक और मुख्य भूमिका में दो दोस्त हैं उसमें भी एक अंधा है दूसरा लंगड़ा। इन दो दिव्यांग लड़कों की दोस्ती पर केन्द्रित थी यह फिल्म। ऐसे में भला संगीत देने की गुंजाइश कहां है ऐसा सोंचकर रोशन ने फिल्म करने से मना कर दिया। फिर निर्माता ताराचंद दो एक दूसरे और संगीतकारों के पास गए पर बात नहीं बनी।

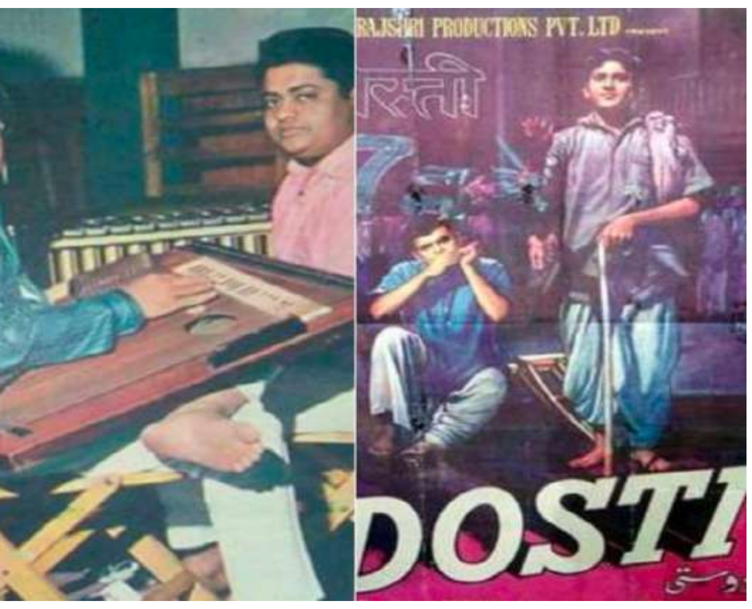

इस बीच महान रफी ने लक्ष्मी कांत प्यारे लाल का नाम ताराचंद जी को सुझाया और उनके अच्छे काम करने का भरोसा भी दिलाया। इस तरह 'दोस्ती' में संगीत देने का काम लक्ष्मीकान्त प्यारेलाल को मिला। दोस्ती में बहुत कुछ अलग था। फिल्म के लगभग सारे कलाकार नए थे। संगीतकार नया था। पुराना कोई था तो सिर्फ गीतकार मजरूह सुलतानपुरी थे। उन्होने भी अनमने ढंग से फिल्म में गीत लिखना स्वीकार किया था। रफी साहब की सिफारिश के बाद ताराचंद जी ने लक्ष्मीकांत प्यारेलाल जी से संपर्क किया। उन दिनों इस जोड़ी ने संगीत देना तो शुरू कर दिया था मगर 'पारसमणि', 'संत ज्ञानेश्वर', 'मिस्टर एक्स इन बाम्बे' एवं 'आया तूफान' में शानदर गीत- संगीत देने के बावजूद यह जोड़ी प्रथम पंक्ति अथवा बड़े बैनर की फिल्मों की पहुंच से दूर थे।

बहरहाल, लक्ष्मीकान्त प्यारेलाल को उनके कैरियर की यह पांचवी फिल्म मिली और इस फिल्म ने फिल्म की सफलता में बड़ी भूमिका निभाई। इस फिल्म के संगीत के लिए लक्ष्मीकान्त प्यारेलाल को फिल्मफेयर का सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार जीता साथ ही गीतकार मजरूह सुलतानपुरी को सर्वश्रेष्ठ गीतकार की श्रेणी मे मजरूह सुल्तानपुरी को उनके लिखे गीत चाहूंगा में तुझे सांझ सवेरे... के लिए श्रेष्ठ गीतकार का पुरस्कार दिया गया। थह फिल्म सन् ९६४ की इतनी बड़ी सफल फिल्म थी कि बाद में सन् १९७७ में 'स्नेहम' नाम से तेलुगू और मलयालम भाषा में इस फिल्म की रीमेक बनाई गई थी। तो ये था फिल्म दोस्ती से जुड़ा सुना-, अनसुना किस्सा। आप सब स्वस्थ रहें, व्यस्त रहें और मस्त रहें धन्यवाद।

श्याम कुमार राई 'सलुवावाला'

बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान

कोलफील्ड मिरर 01 मई (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के शेरमारी व पीरपैंती बाजार फीडर के विद्युत उपभोक्ता आये दिन हो रही बिजली कटौती से परेशान हैं। उपभोक्ताओं का कहना है की तेज धूप व उमस ने सभी को परेशान करके रखा है, ऊपर से बिजली की कटौती आग में घी डालने का काम करती है। छोटे-छोटे बच्चों को ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कम-ज्यादा यह स्थिति लगातार बनी हुई है, जिससे यहाँ के लोगों की परेशानी और भी बढ़ गई है। वहीं सहायक विद्युत अभियंता विक्रमशिला ने बताया कि मांग के अनुरूप बिजली की उपलब्धता कम होने की वजह से समस्या आ रही है। जल्द हीं व्यवस्था में सुधार कर लिया जायेगा।

वरिष्ठ कॉमरेड स्वपन कुमार लाला का लंबी बीमारी के बाद निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

कोलफील्ड मिरर 01 मई (निरसा): कॉमरेड स्वपन कुमार लाला बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के समर्पित कार्यकर्ता थे।

वे यूनियन के साथ स्थापना काल से जुड़े हुए थे। पहले वे थापरनगर स्टेशन के पास अवस्थित यूनियन कार्यालय मे ही रहते थे। बाद मे उनको बीसीसीएल सी/ वी एरिया संख्या 12 की जिम्मेवारी सौंपी गई थी, जहां पर वे पूरी निष्ठा के साथ संगठन का काम करते रहें, पिछले कई साल से वह अस्वस्थ हो गये थे। जिसके कारण वे कुल्टी के पास अपने गांव में ही रह रहे थे। उनके निधन की खबर बहुत ही दुखद है, उनके देहांत के पश्चात चिरकुंडा मासस जोनल के अध्यक्ष संतु चटर्जी और चिरकुंडा जोनल के उपाध्यक्ष कल्याण राय उनके आवास पहुंचे और पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना व्यक्त की।

15 मई के पूर्व वृक्षारोपण के लिये किसान करें आवेदन- पीओ

कोलफील्ड मिरर 01 मई (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड कार्यालय स्थित मनरेगा भवन में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी देवेश कुमार गुप्ता ने मनरेगा कर्मियों के साथ विशेष बैठक की।

साथ ही लोकसभा चुनाव 2024 के आचार संहिता समाप्त होने के बाद नई योजनाओं की स्वीकृति कर कार्य शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बरसात के पूर्व मनरेगा के सभी लंबित कार्यों को पूरा करें। 15 मई के पूर्व प्लांटेशन के इक्षुक किसान पहले आओ पहले पाओ के तर्ज पर योजना की स्वीकृति प्राप्त कर प्लांटेशन का कार्य कर सकते हैं।

वहीं कनीय अभियंता पुरुषोत्तम कुमार, बीएफटी राजेश कुमार, अंकित कुमार, पंचायत रोजगार सेवक सुनील कुमार, राजेश कुमार, पंकज कुमार, भुवन रंजन, मिथिलेश कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर राजीव कुमार सहित अन्य विभागीय कर्मी उपस्थित थे।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

देश-विदेश के सभी जिम्मेदार विनाशकारी हथियारों को समुद्र में डाल दो जिससे लोगों को थोड़ी शांति मिल सके

कोलफील्ड मिरर 01 मई (गोंडा/ उ.प्र.): इस समय के युगपुरुष, पूरे समरथ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि पहले के समय में लड़ाई में मार-काट बहुत होता था। अब भी मार -काट होता है। लड़ाई में होता क्या है? लड़ाई में घूंसा-लात तो घर में चलने लग जाता है, ज्यादा कुछ हो जाता है तो क्रोध में क्या आदमी देखता है कि हथियार, कुल्हाड़ी, हंसिया, चाकू नहीं मारना चाहिए? बंदूक की गोली नहीं चलानी चाहिए? क्रोध में आदमी कत्ल कर डालता है। लड़ाई बड़ी खराब चीज है। लड़ाई का नाम ही खराब होता है। लड़ाईयों में मार-काट होता था। अब बंदूक चला देते हैं। एक जगह बैठ करके पांच-दस हजार किलोमीटर कोई चीज खत्म करना हो तो यहां से पावर से भेज करके वह चीज खत्म कर देते हैं।

इस समय पर विनाश की तरफ बुद्धि ले जा रहे हैं लोग

आदमी कह रहा, हम अपना, देश का विकास कर रहे हैं। विकास कर रहे हैं या विनाश का हथियार बना रहे हैं? विनाश की तरफ बुद्धि ले जा रहे हैं। जो हथियार बना करके विकास के लिए सोच रहे हैं उनको, सब लोगों को मिल करके ऐसी योजना बनानी चाहिए कि यह जितने विनाशकारी हथियार हैं, इनको समुद्र में डाल दिया जाए, इनको स्वाहा कर दिया जाए, खत्म कर दिया जाए जिससे थोड़ी शांति लोगों को मिल सके। जो उम्मीद है लोगों को आगे बढ़ने की, करने की, उसमें बाधा न पड़े।

सबके दिल में प्रेम की जगह बनाओ

देश प्रेम बनाए रखना। देश की संपत्ति आपकी अपनी संपत्ति है। जिस देश में जन्म लिए हो, इसके प्रति वफादार रहो। जिस धरती पर जहां का जल पी रहे हो, इसके प्रति वफादार रहो। इसका नाम हो, देश की तरक्की हो, यह अपने दिल-दिमाग में रखो। किसी धार्मिक मजहबी किताब, जाति, राजनेता, पंडित, मुल्ला, पुजारी, व्यक्ति की निंदा बुराई से दूर रहो। कोई भूखा-रुखा आ जाए, अगर आपके पास है तो उसको खिला दो। कोई नंगा है, उसको कपड़ा दे दो। उसको किसी तरह का दु:ख है तो दूर कर सकते हो तो दूर कर दो। सबके अंदर उस मलिक की अंश जीवात्मा है। सियाराम मय सब जग जानी। करहु प्रणाम जोर-जुग पानी। आपसे जो हो सके, वह आप करते रहो। परमार्थी काम इसी को कहते हैं।

साहित्य अर्पण द्वारा काव्य गोष्ठी आयोजित

अंजू निगम

कोलफील्ड मिरर 01 मई (नई दिल्ली): साहित्य अर्पण की दिल्ली के काव्य मंच "अंजूमन काव्य गॉष्ठी" द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे दिग्गज कवियों/ कवयित्रियों द्वारा बेहतरीन गजलों और कविताओं का वाचन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता नेहा शर्मा (दुबई) द्वारा की गई। परपंरानुसार सर्वप्रथम सरस्वती वंदना की भक्ति मय वाणी ने मंच को ओजस्विता से भर दिया। तदुपरांत मंच की संचालिका भावना अरोरा "मिलन" के कुशल संचालन से मंच का आगाज हुआ। सर्वप्रथम दिल्ली के वरिष्ठ कवि अरुण कुमार अरुण की ग़ज़ल से शुरुआत हुई:-

उसकी आंखों में कुछ नमी सी है,
बर्फ़ ज्यों आग पर जमी सी है।

काफिया,रदीफ की शानदार जोड़ी ने ग़ज़ल की शान को मुकाम तक पहुँचाया। उनकी एक और नायाब ग़ज़ल :-

कौन कहता है ज़माना बदल गया
साहेब ने तय कर दिया कि आज
की महफिल कामयाब और
पुरअसर होने वाली है।

इसके बाद के वरिष्ठ कवि राहुल गौड़ जी ने अपनी कविताओं से मंच की गरिमा को बढ़ा दिया। उनकी कविताओं में राजनीति की बिसातें भी बिछी और बचपन के गलियारों को भी पार किया।

बानगी के तौर पर :-

सियासत के दंगल में क्या खुब
हाथापाई है

रीढ़ की, जुबान के लचीलेपन की
लड़ाई है या उदास, लंबी, नीरव
एक दोपहर में
अपने आप से मिले बहुत दिन हो
गये
बचपन की गलियों में घूम ही रहे थे कि प्रिया झा जी की कविता ने मंच को नारी सशक्तिकरण के सशक्त विचारों से संप्रेषित किया। उनकी कविता में "नारी तुम कमजोर नहीं, बलशाली हो" की भावना निहित थी:-

नारी हूँ
हाँ आज की नारी हूँ
तोड़ बेड़ियों को
संवारा है खुद को हमने
अपनी कमियों को
जान हुनर को
निखारा है हमने

इसके बाद मंच सजा श्री दुष्यंत जी की मुक्तक और ग़ज़ल से।

मुस्कुरा कर जब हम कुछ सोचने
लगे
दुनिया वाले हमें खुश देखकर
कोसने लगे
मुझको दिल में बसाया भी जा
सकता है
मुझसे ये रिश्ता निभाया भी जा
सकता है

शब्दों की बेहतरीन कारीगरी की उन्होंने अपनी रचनाओं में। दुनियादारी के तमाम अंदाज उनकी रचनाओं में सजे मिले। शिवानी जी ने फूलों को माध्यम बना कर अपनी कविता "फूलों की बहार" शीर्षक से प्रस्तुत की। फूलों की महत्ता का उन्होंने जीवन के हर पहलू में बसे होने की बात कही। बानगी के तौर पर :-

फूलों से ही अपने जीवन का
साज और श्रृंगार है।

सभी रचनाकारों की प्रस्तुति के बाद भावना जी ने अंजू निगम को मंच पर अपनी कविता के साथ आमंत्रित किया और उन्होंने एक विरह कविता प्रस्तुत की। शीर्षक था :-

मैंने कभी तो नहीं चाहा

भावना जी को उनकी कविता के साथ आमंत्रित किया गया । उन्होंने अपनी दो रचनाओं की प्रस्तुति दी। जिनके बोल थे:-

दुआएं काम करती है जग में
नाम करती है,
अगर शिद्दत हो पूरी तो सफल
अंजाम करती है

गीत विधा

सजी अयोध्या नगरी सारी,
बज रहे ढोल-नगाड़े,
हो रही जय-जयकार,
अवध में राम पधारे।

बेहतरीन ढंग से अपनी बात रखने में भावना जी को महारत हासिल है और उनका यह व्यक्तित्व उनकी रचनाओं में भी झलकता है।

आखिर में मंच की अध्यक्षता कर रही नेहा जी ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य मे सभी रचनाकारों को उनकी बेहतरीन प्रस्तुति के लिए बधाई दी और आज के कार्यक्रम की संचालिका भावना जी"मिलन" के उम्दा मंच संचालन के लिये उन्हें बधाई दी। इसके अलावा तय समय सीमा पर कार्यक्रम को पूर्ण करने का भी उल्लेख किया जो किसी भी सफल कार्यक्रम का एक जरूरी अंग होता है। अंत में साहित्य अर्पण परिवार की इस शानदार काव्य गोष्ठी को अंजाम तक पहुँचने की असीम बधाई।

हाशिए पर धकेल दी गई है महिला मजदूरों को

हेमलता म्हस्के

कोलफील्ड मिरर 01 मई 2024: मजदूर दिवस पर औपचारिक तरह से मजदूरों को याद कर लिया जाता है, रस्म अदा कर दी जाती हैr लेकिन उनके अधिकारों और कल्याण के लिए केंद्र और राज्यों की अनेक योजनाओं और कार्यक्रमों के बावजूद उनकी हालत में पर्याप्त सुधार नहीं हो पाता है और इन मजदूरों में खासकर महिला मजदूरों की हालत तो और भी और आज भी बहुत दयनीय है। उनके साथ तो ऐसे निर्मम आपराधिक व्यवहार किया जाता है मानों वह इंसान ही नही हो। भारत के संविधान में समानता के अधिकार दिए गए हैं बावजूद महिला मजदूरों को समानता के हक को हासिल करने के लिए भी अंतहीन संघर्ष करना पड़ रहा है। जब हम महिलाओं को इंसान समझते हैं तो महिला मजदूरों की दशा सुधारने के लिए कारगर पहल करने की जरूरत है। यह तब होगा जब उनकी समस्याओं को पहले चर्चा के केंद्र में लाना होगा। दुर्भाग्य तो यह है कि तथाकथित संपन्नता की अनावश्यक खबरें तैरती रहती हैं लेकिन महिला मजदूरों की समस्याओं पर अलग से पूरी गंभीरता से सोचने की जरूरत नहीं समझी जाती है। उनकी समस्याओं को खबरों की दुनिया में हाशिए पर भी जगह नहीं मिलती। मजदूर दिवस पर भी नहीं। महिला मजदूरों के साथ कार्यस्थल पर अनेक अमानवीय और अशोभनीय बर्ताव किया जाता है। माहवारी में भी उन्हें काम में झोंका जाता है और उनके गर्भाशय तक षडयंत्र पूर्वक निकाल दिए जाते हैं। उनकी तकलीफों की सूची छोटी नही हैं। अनंत हैं। ज्यादातर जगहों पर समान श्रम के बाद भी उनको मजदूरी पुरुष मजदूरों से कम दी जाती है, अक्सर मजदूर महिलाओं को कार्यस्थल (कारखानों, निर्माण कार्य, रेहड़ी-पटरी आदि क्षेत्र) पर शौचालय की कमी से दो-चार होना पड़ता है। बच्चों को सुलाने या दूध पिलाने की जगह उपलब्ध नहीं होती। – असंगठित क्षेत्र की महिलाओं को मातृत्व अवकाश की सुविधा नहीं होती। इनकी मजदूरी दर, काम के घंटे नियम आदि की भी बड़ी समस्या है।

महिला मजदूरों के हित में कानून बनाए गए हैं हैं लेकिन उनको अमल में नहीं लाया जाता है। पीड़ित महिला मजदूर इतनी ताकतवर भी नही होती की वे उन पर अमल करवा ले। समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 एवं प्रसूति हितलाभ अधिनियम, 1961 में महिला श्रमिकों के हित संरक्षण के लिये विशेष प्रावधान रखे गए है। समान पारिश्रमिक हित संरक्षण हेतु समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 के अंतर्गत महिला श्रमिकों को समान कार्य के लिए पुरूषों के समान वेतन पाने का अधिकार है और इसमें भेद-भाव करना दंडनीय अपराध श्रम के क्षेत्र में उनकी भागीदारी भी देश की परिस्थियों के हिसाब से काम नही हैं। महिला मजदूरों की संख्या 146.89 मिलियन थी या कुल श्रमिकों का केवल 32.2 प्रतिशत थी। इन महिला श्रमिकों में लगभग 106.89 मिलियन या 72.8 प्रतिशत कृषि कार्य करती थी यहां तक कि पुरुष श्रमिकों में उद्योग की भागीदारी केवल 48.8 प्रतिशत था। ग्रामीण श्रम-शक्ति में उद्योग की कुल भागीदारी लगभग 56.6 प्रतिशत थी।

असंगठित क्षेत्र में कामकाजी महिलाओं को अधिक समय तक कार्य करना पड़ता है। प्रायः महिलाएँ लगभग 8-9 घण्टे घरों से बाहर कार्य करती है। जिससे महिलाओं को घर और बाहर दोहरी भूमिका का निर्वाह करना पड़ता है। इस कारण कामकाजी महिलाऐं घर के सदस्यों की देख-रेख अच्छी तरह से नहीं कर पाती है। महिला मजदूरों के बारे ने एक आयोग ने जो पहल की है जिसकी सराहना की जानी चाहिए लेकिन इसी के साथ यह भी पता चलता है कि महिला मजदूरों की वास्तविक हकीकत क्या है।

महाराष्ट्र के अहमद नगर जिले की श्रीगोंडा तहसील में कई चीनी मिलों के लिए गन्ना काटने में लगी महिला मजदूरों की दुर्दशा के बारे में एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लिया है। उनमें से दस प्रतिशत गर्भवती हैं लेकिन अपने कानूनी अधिकारों और विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत सुनिश्चित लाभों से अनजान हैं। उन्हें कोई मातृत्व अवकाश और शिशु देखभाल सुविधाएं नहीं दी जाती हैं और संबंधित विभागों द्वारा उन्हें कोई स्वस्थ आहार भी प्रदान नहीं किया जाता है।

आयोग ने पाया है कि समाचार रिपोर्ट की सामग्री, यदि सच है, तो असहाय गरीब महिला मजदूरों के मानवाधिकारों के उल्लंघन के गंभीर मुद्दे उठाती है। गरीब मजदूरों और महिला श्रमिकों सहित समाज के कमजोर वर्गों के कानूनी अधिकारों की रक्षा करना राज्य का प्रमुख कर्तव्य है, जो बिना किसी विशेष देखभाल के काम के दौरान बच्चे को जन्म दे रहे हैं, हालांकि कानून के तहत इसकी गारंटी है। तदनुसार, इसने महाराष्ट्र सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

11 जनवरी, 2023 को जारी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, श्रीगोंडा के तालुका चिकित्सा अधिकारी ने कहा है कि उनके पास लगभग 35 महिला मजदूरों का रिकॉर्ड है, जिन्होंने चालू फसल सीजन में बच्चों को जन्म दिया है। उन्होंने श्रीगोंडा तहसील के अंतर्गत आने वाले सात प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) से संबंधित डेटा दिया है और यह भी कहा है कि कारखानों और बागवानों के प्रबंधन के लिए इन महिला मजदूरों के बीच स्वस्थ आहार के अधिकार के बारे में जागरूकता पैदा करना आवश्यक है, कुछ दिन 'गर्भावस्था की अवधि के दौरान और प्रसव के बाद छुट्टी और आवश्यक स्वास्थ्य और चिकित्सा सुविधाएं।

हावड़ा और गांधीधाम जंक्शन के बीच चलेगी ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन

कोलफील्ड मिरर 01 मई (आसनसोल): गर्मी के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ से निपटने के लिए रेलवे ने हावड़ा और गांधीधाम जंक्शन के बीच ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। 09450 हावड़ा-गांधीधाम समर स्पेशल 03. 05. 2024 को (01 ट्रिप) हावड़ा से 19:40 बजे रवाना होगी और यात्रा के तीसरे दिन 23:00 बजे गांधीधाम पहुंचेगी। उक्त ट्रेन मार्ग में पूर्व रेलवे के क्षेत्राधिकार के आसनसोल मंडल के अंतर्गत दुर्गापुर और आसनसोल स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी और वातानुकूलित श्रेणी के डिब्बे होंगे।

आमंत्रित रचना - रिश्ते

कोलफील्ड मिरर 01 मई 2024: पहले समाज में रिश्ते अहम् महत्व रखते थे पर आज चाचा-चाची, फूफा-फूफी, मामा, मामी आदि जैसे सारगर्भित रिश्तो पर अंकल-आंटी शब्द का लेबल लग गया है। इस कारण नजदीक और दूर के रिश्तों को पहचानना मुश्किल हो गया हैं। भारतीय संस्कृति द्वारा वर्णित सुसंस्कार जिनके अनुसार बड़ों को समुचित आदर एवं छोटों को स्नेह पाठ पढ़ाया जाता है उससे आज हम विमुख होते जा रहे हैं। सच्चाई, प्रेम, सहिष्णुता, परोपकार की भावना, कर्तव्यनिष्ठा, संयम, सादा जीवन-उच्च विचार देशभक्ति करुणा इत्यादि मानवीय गुण मात्र पुस्तकीय बातें या फिर भाषण बनकर रह गए हैं। हेलो, हाय के संस्कृति के मायाजाल में नमस्कार या प्रणाम करने में झिझक महसूस होने लगी है। टीवी व मोबाइल पर प्रसारित कार्यक्रमों से भी चरित्र निर्माण में प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पहले संयुक्त परिवार में सभी बच्चे मिलजुल कर हर चीज बाँटकर इस्तेमाल करते थे, आजकल एकल परिवार के होने के कारण सामाजिक नहीं रहे और उनकी सोच स्वयं तक ही सीमित रहती है। पहले घर के बाहर के खेल ज्यादा थे, खानपान भी शुद्ध था, शारिरिक श्रम भी था जिससे वे तंदुरुस्त रहते थे पर आजकल टेलीविजन-मोबाइल में ज्यादा समय, अशुद्ध खानपान व शारीरिक श्रम कम होने से ज्यादा बीमारियां होने लगी हैं। आज हमें अविलंब अपना विवेक जगाना होगा इसी में हमारा, समाज, और देश का हित है। सबसे पहली बात हम जीवन भर याद रखें कि इस जगत में कई दफ़ा कुछ बातों से हमारा मन व्यथित हो जाता है और आपसी रिश्तों में खटास भर जाती है। गलती किसी की भी हो उसे विस्मृत करके एक दूसरे से क्षमा-याचना करके रिश्ते वापिस जोड़ना सीखो। तोड़ना आसान है जोड़ना मुश्किल। कहते है कि सितारे टूटते हैं पर उनके वियोग मे आसमान कब रोता है? क्योंकि आत्मा के सिवाय दूसरा कोई भी अपना सगा नहीं होता है? स्वार्थ की कमजोर दीवारों पर टिके हुए सारे रिश्ते हैं। रिश्तों की सच्चाई के साथ जीने वाला हताशा का कभी भार नहीं ढोता है। हमारे जीवन स्तर के गिरने पर भी हम इसे कहां मान रहे है। हम तो अपने आप को बहुत ही काबिल व एडवांस जान रहे है। आज सारे रिश्ते नाते धन के हाथों इस कदर बिक रहे हैं जैसे हम इस सोसियल मीडिया के सहारे ही टिक रहे है। सुधार के लिए हमें अपनी गलतियों का भान करना होगा। अपने से बड़े हो या छोटे सब पारिवारिक जनो का मान व सम्मान करना होगा। हमें करनी है अपने संस्कृति व संस्कारों को समुचित रक्षा, व पूर्णतः उतीर्ण करनी है अपने जीवन से जुड़ी हर परीक्षा। रिश्तों की नाजुकता को हर कोई सही से नहीं जानता हैं। पता नहीं कब कौनसी बात ख़राब रिश्तों में लग जाती हैं। रिश्तों में कई बार शुद्ध मन भाव से की गई प्रशंसा भी दिखाती है अपना उल्टा प्रभाव। कई बार की गई समालोचना भी बढ़ा देती रिश्तों के भाव। रिश्ते एक दूसरे की आंतरिक समझ से निभते हैं। हो अगर आपस की अंडरस्टैंडिंग तो कटु शब्द भी घाव नहीं करते हैं। अगर नहीं है समझ आपस की तो कोई शब्द भी अलगाव ला सकता हैं। अतः रिश्ते बड़े नाजुक व कोमल होते हैं। उनको निभाना बहुत खांडे की धार हैं। अगर समत्त्व भाव विकसित, ज्ञाता द्रष्टा भाव प्रसरित और प्रतिक्रियाओं रहित आदि जिसका जीवन है उसके लिए सब रिश्तें एक समान हैं। कहते है की जहाँ मध्यस्थ भावों का बहता हो निर्झर, अपेक्षा रहित हो जहाँ वर्तन वहाँ कोई नहीं पड़ सकती दरार। रिश्तों में हरदम छाई रहती बहार।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

तेरा ही हाथ है कोटा, मेरे जीवन की सफलता के पीछे

चर्मण्वती के तट पर,
तू बसा है जिस तरह,
अंकित है तेरा भी नाम,
1857 के गदर में।

और राष्ट्र के हर हृदय में,
मौजूद है तू भी,
एक छोटे कानपुर के नाम से।

शैक्षणिक नगरी के नाम से,
तू महशूर है हर किसी की जुबां पर,
बसा है तू मेरे भी आत्मा में भी,
एक असीम सुख की तरह।

यह मेरा जो अस्तित्व है आज,
और पहुंचा हूँ जिस मुकाम पर आज,
जन्मा है मेरे अन्दर जो कवि,
उसका जन्मदाता तू ही है,
उसका पोषक तू ही है।

जब कभी भी आता हूँ मैं,
तेरी इस धरती पर,
नाचने लगता है मेरा मन,
और निकल पड़ते हैं लबों से तरानें।

जिस तरह होती है एक स्त्री की छाया,
एक सफल पुरुष की सफलता के
पीछे,

उसी तरह तेरा ही हाथ है कोटा,
मेरे जीवन की सफलता के पीछे।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
कोटा (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

श्रमिक और कवि

कवि को क्रोध आता है
जब भी किसी पर अन्याय होता है
स्वयं पर ही क्यों न हो
राजनीति में लिप्त प्रशासन हो
या पिसते आकांक्षाओं की हत्या हो
वह लिख डालता है काव्य
कभी खून से कभी पसीने से
जिस पर जिल्द लगाकर
प्रकाशक बेचता है
और अपने उद्वेगों को शब्द दे
कवि होता है विख्यात
उसके काव्यों की संख्या उद्वेगों के
साथ
बढ़ती ही जाती है
किंतु श्रमिक?
वह करता नहीं ऐसा इसलिए
क्योंकि वह तुरंत उद्वेलित नहीं होता
मशीनों के संग रह कर भी
मशीनी मानसिकता के मापदंड
मस्तिष्क में पालता है
इसलिए झेलता है वह
कवि से अधिक मानसिक प्रताड़ना
या सम से भरी भौतिक यातना
फिर अपने हाथों में कलम नहीं
शक्ति से भरपूर
क्रांति का घन लिए
निकल पड़ता है परशुराम की तरह
किंतु कवि की तरह काव्य लेखक
नहीं बनता है मजदूर
क्योंकि उसकी क्रांति
परिवर्तनों का इतिहास लिखा करती है
शायद इसलिए कवि बार-बार
लिखता है श्रम काव्य
मानसिक रूप से विचलित होकर
किंतु उन्हीं शब्दों को झेलकर
मजदूर होता है अपने आपे से बाहर
कर देता है युग परिवर्तन
फिर कवि के कार्यों के समकक्ष
उसका यह युग परिवर्तन का इतिहास
कहीं भारी पड़ता है।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)
कोलफील्ड मिरर

पाकिस्तान हमेशा दो मुही नीतियों पर चलता है

कोलफील्ड मिरर 01 मई 2024: पाकिस्तान हमेशा हमारे लिए एक आतंकवादी एवं शत्रु मुल्क हमेशा ही रहा है, हम भी उससे तीन-तीन बार जंग लड करके उसे हरा चुके हैं तथा हर बार उसने इन युद्धों में हमसे मुंह की खाई हैं परंतु इसके बाद भी वह आज भी हरकत करने से बाज नहीं आ रहा है फिर हमने भी उसे हमेशा ही युद्ध में धूल चटाई है, फिर चाहे देश में किसी भी दल की सरकार क्यों ना रही हो। पाकिस्तान बार-बार भारत से मात खाने के बाद भी आज भी बिल्कुल भी नहीं बदला है और किसी न किसी बहाने भारत के पश्चिमी हिस्से में घुसपैठ के प्रयास करता रहता है जबकि इन दिनों पाकिस्तान की हालत पिछले 60-70 सालों में सबसे ज्यादा खराब चल रही है। कारण अपने देश में गृह युद्ध एवं विभिन्न परिस्थितियों के चलते आज कल पाकिस्तान एक तरह से कंगाल एवं भिखारी मुल्क हो गया है एवं अपने लिए दाने-दाने को तरस रहा है। आज के समय हालत इतनी अधिक खराब है कि उसे अपना देश चलाने के लिए अपने पड़ोसी देशों में जा जाकर भीख और आर्थिक मदद मांगना पड़ रही है चीन, सऊदी अरब, यूएई आदि कई मुल्कों में जा जाकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ देश चलाने के लिए भीख मांग रहे हैं, इसी तरह से पाकिस्तानी प्रधानमंत्री भारत सरकार एवं मोदी जी से भी कई बार संबंध सुधारने के लिए रिक्वेस्ट कर चुके हैं तथा अपने देश के लिए मदद की भीख भी मांग चुके हैं। ठीक है मदद करना नहीं करना हमारे अपने हितों को साधने के बाद ही हमें विचार करना चाहिए परंतु एक बात हम यहां यह भी कहना चाहते हैं कि इतनी बुरी कंगाली की हालत के बाद भी आज भी पाकिस्तान भारतीय कश्मीर में आतंकवादी भेजना एवं ड्रग्स भेजने से बाज नहीं आ रहा है कारण अभी कुछ दिन पहले ही भारतीय सेना ने तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया था, इसी तरह से इसी इलाके में 600 करोड़ की ड्रग्स भी पकड़ी गई थी। इस तरह से कह सकते हैं भारत विशेष करके पंजाब एवं कश्मीर में नवयुवकों को नशे बाजी का शिकार बनाने के लिए पाकिस्तान लाखों करोड़ों रुपए की ड्रग्स हीरोइन अफीम गांजा चरस आदी चोरी चुपके भारत भेजने का प्रयास करता रहता है जिसे हमारी सेना हमेशा ही होशियार रहने के कारण पकड़ लेती है अतः हमारा तो आज इस विषय में यही कहना है कि जब तक पाकिस्तान भारतीय कश्मीर एवं पंजाब में आतंकवादी एवं ड्रग्स, हथियार आदि भेजना बंद नहीं करता है तब तक उससे किसी भी तरह से अच्छे एवं सामान्य संबंध बनाना हमारे देश के लिए बिल्कुल भी उचित नहीं है। खतरे के बने रहते उससे अच्छे सम्बंध बनाना खतरे से खाली नहीं है। फिर पाकिस्तान के दिल में भारत के प्रति बिल्कुल भी मानवता एवं भाईचारे की भावना कभी नहीं रहती है। केवल वह आज अपने मतलब एवं हित साधने के लिए भारत से आर्थिक मदद की मांग कर रहा है अतः हमें उसके इस चलावे में बिल्कुल भी नहीं आना चाहिए क्योंकि पाकिस्तान हमेशा हमारे साथ दो मुंही नीति पर चलता रहा है, अतः उसे तो हम आज के समय में खंड-खंड होकर बिखरते हुए देखना चाहते हैं जोकि अब शीघ्र ही अवश्य होगा।

मनमोहन राजावतराज
शाजापुर

सारा सच, दिल्ली वार्ता, हमारी वाणी मंच नई दिल्ली द्वारा संजय वर्मा दृष्टि को लेखन क्षेत्र में देश में छटा स्थान

कोलफील्ड मिरर 01 मई 2024: अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्य मंच नई दिल्ली राष्ट्रीय हिन्दी मीडिया मंच "सारा सच" प्रतिवर्ष देश और प्रदेश की विशिष्ठ प्रतिभाओं को राष्ट्रीय प्रतिभा उपलब्धि अवॉर्ड (NTAA) 2021 से सम्मानित करता आरहा है| नई दिल्ली गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया सोशल मीडिया पर सर्वे अनुसार चीफ एडिटर सारा सच (राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र), दिल्ली वार्ता (राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका), को फाउंडर हिंदी वाणी (हिंदी मासिक पत्रिका) की और से चीफ ऐडमिरर इन चीफ सलीम अहमद सिद्दकी के द्वारा दिनांक 26-4-2024 को आयोजित प्रतियोगिता में मनावर जिला धार मप्र के संजय वर्मा "दृष्टि" को राष्ट्रीय हिंदी साहित्य की और से योर पेन योर वॉइस साहित्य लेखन क्षेत्र में "चंदा" विषय पर उत्कृष्ट लेखन के लिए देश में छटा स्थान प्राप्त किया है| संजय वर्मा "दृष्टि" को (मध्यप्रदेश) छटा स्थान लेखन क्षेत्र प्राप्त किए जाने पर मंच ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ विजेता सम्मान से विभूषित किया जाकर उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है। संजय वर्मा "दृष्टि" की देश विदेश की पत्र पत्रिकाओं 49 वर्षो से निरन्तर प्रकाशित होती रहती है। अबतक 508 सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। इनका नाम वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकार्ड में तीन बार अलग-अलग विधा में दर्जहै। स्टार बुक ऑफ रिकार्ड में सम्मानित।

बैलेट पेपर व वीवीपीएटी पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

बैलेट पेपर से चुनाव कराने व वीवीपीएटी स्लिप की 100 प्रतिशत क्रॉस चेकिंग का चैप्टर दि एंड-सुप्रीम कोर्ट ने सभी याचिकाएं खारिज की

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग के दिन, सुप्रीम कोर्ट में बैलेट पेपर वीवीपीएटी शत प्रतिशत मिलन की मांग को झटका लगा, पर फैसले का सम्मान होगा- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 01 मई (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर दुनियां के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में ऐसा भी एक जमाना था जब हम बैलेट पेपर के द्वारा अपना वोट देते थे। यानें अपने मनपसंद उम्मीदवार और उसके चुनाव चिन्ह पर ठप्पा लगाते थे। इस व्यवस्था के दुष्प्रभाव में हमने दूरदर्शन व अन्य चैनलों पर बूथ कैपचरिंग सहित बैलेट पेपरों पर धड़ाधड़ ठप्पे लगाते पेटी में डालते हुए भी चैनलों में देखे थे तथा लाइनों में खड़े मतदाताओं को भगा दिया जाता था यह भी मैंने चैनलों पर स्वयं देख था।फिर समय का चक्कर ऐसा चला कि प्रौद्योगिकी का तेजी के साथ विकास हुआ तो मतदान में बैलेट पेपर से हटकर ईवीएम मशीनों का उपयोग कर दिया जाने लगा। फिर हमने ईवीएम की गड़बड़ियों के बारे में भी अनेक आरोप प्रत्यारोप मीडिया में देखे व सुने फिर वीवीपीएटी आया, जिसमें हम देख सकते हैं कि वोट हमारे पसंदीदा उम्मीदवार को गया या नहीं, जो मैंने स्वयं ने भी 19 अप्रैल 2024 को मतदान के दौरान यह देखा, फिर इसकी पर्चियों का 100 प्रतिशत क्रॉस वेरिफिकेशन का मुद्दा आया यह सभी मुद्दे विवादों में घिरते हुए सुप्रीम कोर्ट की दहलीज तक जा पहुंचे, जिसमें माननीय सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर सुनवाई पूरी की और फैसला सुरक्षित रखा था, जो आज दिनांक 26 अप्रैल 2024 को माननीय दो जजों की बेंच ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने ववीवीपीएटी स्लिपों की 100 प्रतिशत क्रॉस चेकिंग की याचिका को खारिज़ कर दिया जिसका चैप्टर अब दि एंड हो गया है। चूंकि बैलेट पेपर व एवं वीवीपीएटी पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला आज आया है,इसीलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग के दिन सुप्रीम कोर्ट ने बैलेट पेपर व एवं वीवीपीएटी का शतप्रतिशत मिलान की मांग को झटका लगा है,परंतु फैसले का सम्मान सभी पक्ष करेंगे।

साथियों बात अगर हम दिनांक 26 अप्रैल 2024 को आए माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले की करें तो,लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग के बीच शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट वेरिफिकेशन की मांग को लेकर सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है।बैलेट पेपर की मांग को लेकर दर्ज याचिका भी खारिज कर दी गई है। कोर्ट के इस फैसले से ईवीएम के जरिए डाले गए वोट की वीवीपैट की पर्चियों से शत-प्रतिशत मिलान की मांग को झटका लगा है। एससी ने साफ कर दिया है कि देश में बैलेट पेपर से वोटिंग का दौर वापस नहीं आएगा। यानें मतदान तो ईवीएम से ही होगा, इसके साथ ही वीवीपैट से 100 फीसदी पर्ची मिलान भी नहीं होगा। हालांकि, ईवीएम 45 दिनों तक सुरक्षित रहेगी और अगर नतीजों के बाद 7 दिनों के भीतर शिकायत की जाती है तो जांच कराई जाएगी। एससी ने इस मामले से जुड़ी सभी याचिकाएं खारिज कर दी हैं। माननीय जस्टिसने कहा, हमने सभी याचिकाओं को खारिज किया है। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि चुनाव के बाद सिंबल लोडिंग यूनिटों को भी सील कर सुरक्षित किया जाए। कोर्ट ने निर्देश दिया कि उम्मीदवारों के पास परिणामों की घोषणा के बाद टेक्निकल की एक टीम द्वारा ईवीएम के माइक्रो कंट्रोलर प्रोग्राम की जांच कराने का विकल्प होगा, जिसे चुनाव की घोषणा के 7 दिनों के भीतर किया जा सकेगा।वोटिंग पर्चियों की गिनती पर कोर्ट ने कहा, सिंबल लोडिंग यूनिट्स के पूरा होने पर कंटेनर में सील कर दिया जाएगा, इस पर उम्मीदवारों के हस्ताक्षर होंगे और नतीजे घोषित होने के बाद 45 दिन के लिए स्ट्रॉन्ग रूम में रखा जाएगा।

साथियों बात अगर हम माननीय कोर्ट में चुनाव आयोग द्वारा रखे गए पक्ष की करें तो,चुनाव आयोग के अधिकारी ने कोर्ट को बताया कि एक वोटिंग यूनिट में एक बैलट यूनिट,कंट्रोल यूनिट और एक वीवीपीएटी यूनिट होती है। सभी यूनिट में अपना अपना माइक्रो कंट्रोलर होता है। इन कंट्रोलर से छेड़छाड़ नहीं हो सकती। सभी माइक्रो कंट्रोलर में सिर्फ एक ही बार प्रोग्राम फीड किया जा सकता है। चुनाव चिह्न अपलोड करने के लिए हमारे पास दो मैन्युफैक्चर हैं, एक ईसीआई है और दूसराभारतइलेक्ट्रॉनिक्स। चुनाव आयोग ने बताया कि सभी ईवीएम 45 दिन तक स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षित रखी जाती हैं। उसके बाद रजिस्ट्रार, इलेक्शन कमीशन से इस बात की पुष्टि की जाती है कि क्या चुनाव को लेकर कोई याचिका तो दायर नहीं हुई है।अगर अर्जी दायर नहीं होती है तो स्ट्रॉन्ग रूम को खोला जाता।कोई याचिका दायर होने की सूरत में स्ट्रॉन्ग रूम को सीलबन्द रखा जाता है। बुधवार को एससी ने कहा था कि अदालत चुनाव की नियंत्रण अथॉरिटी नहीं हैं।अदालत ने ईवीएम मुद्दे पर दो बार दखल दिया है। बेंच ने याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले वीवीपीएटी पर दो आदेश जारी किए हैं, जो एक स्वतंत्र वोट सत्यापन

प्रणाली है और मतदाताओं को यह देखने में सक्षम बनाती है कि उनके वोट सही ढंग से दर्ज किए गए हैं या नहीं. कोर्ट ने कहा, एक आदेश तब पारित किया गया था जब अदालत ने चुनावों के दौरान वीवीपैट के उपयोग का आदेश दिया था और दूसरा आदेश तब पारित किया गया था जब अदालत ने निर्देश दिया था कि वीवीपैट का उपयोग एक से बढ़ाकर पांच बूथों तक किया जाना चाहिए। अब आप सभी चाहते हैं कि हम मतपत्रों पर वापस जाने के लिए निर्देश जारी करें।बेंच ने कहा, यदि जरूरी हुआ तो वो मौजूदा ईवीएम सिस्टम को मजबूत करने के लिए निर्देश पारित कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल 2019 में चुनाव आयोग से कहा था कि किसी संसदीय क्षेत्र में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में ईवीएम के साथ वीवीपैट की संख्या एक से बढ़ाकर पांच कर दी जाए।

साथियों बात अगर हम इस केस और फैसले के असर को सभी पक्षकारों के नजरिए से समझने की कोशिश करें तो,केस और फैसले के असर को इन सभी पक्षों के नजरिए से समझते हैं (1) आम आदमी यानी मतदातासुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से आम आदमी की वोट देने की प्रोसेस में कोई बदलाव नहीं होगा। वोटर पोलिंग बूथ जाएगा। अंगुली पर स्याही लगेगी। चुनाव अधिकारी कंट्रोल यूनिट का बटन दबाएगा। वोटर बैलट यूनिट में कैंडिडेट के नाम के सामने का बटन दबाएगा और फिर कुछ सेकेंड तक वीवीपैट की लाइट में अपनी पर्ची देख सकेगा।(2) राजनीतिक पार्टियां और कैंडिडेट्स,फैसले के बाद राजनीतिक पार्टियां और कैंडिडेट्स के लिए एक रास्ता खुला है। वे ईवीएम की जांच करवा सकेंगे। इसे नीचे दिए पॉइंट्स से समझिए।दूसरे या तीसरे नंबर पर आने वाले किसी कैंडिडेट को शक है तो वह रिजल्ट घोषित होने के 7 दिन के भीतर शिकायत कर सकता है।शिकायत के बाद ईवीएम बनाने वाली कंपनी के इंजीनियर्स इसकी जांच करेंगे। किसी भी लोकसभा क्षेत्र में शामिल विधानसभा क्षेत्रवार की टोटल ईवीएम में से 5 प्रतिशत मशीनों की जांच हो सकेगी। इन 5 प्रतिशत ईवीएम को शिकायत करने वाला प्रत्याशी या उसका प्रतिनिधि चुनेगा।इस जांच का खर्च कैंडिडेट को ही उठाना होगा। चुनाव आयोग ने बताया-जांच की समय सीमा और खर्च को लेकर जल्द ही जानकारी शेयर की जाएगी।जांच के बाद अगर ये साबित होता है कि ईवीएम से छेड़छाड़ की गई है तो शिकायत करने वाले कैंडिडेट को जांच का पूरा खर्च लौटा दिया जाएगा। (3)याचिकाकर्ता,उनकी सभी याचिकाएं खारिज हो गईं, लेकिन ईवीएम की जांच के आदेश से थोड़ी राहत मिली। एडीआर के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कई निर्देश दिए, जिसमें कैंडिडेट्स के लिए शिकायत और फिर जांच की बात भी है। इसके बाद सभी याचिकाएं खारिज कर दी गईं।(4) चुनाव आयोग,सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को 3 निर्देश दिए हैं।(1) सिंबल लोडिंग प्रक्रिया के पूरा होने के बाद इस यूनिट को सील कर दिया जाए। सील की गई यूनिट को 45 दिन के लिए स्ट्रॉन्ग रूम में स्टोर किया जाए। (2) इलेक्ट्रॉनिक मशीन से पेपर स्लिप की गिनती के सुझाव का परीक्षण कीजिए।(3) यह भी देखिए कि क्या चुनाव निशान के अलावा हर पार्टी के लिए बारकोड भी हो सकता है।(4) सरकार, सुप्रीम कोर्ट के फैसले में सरकार के लिए कोई निर्देश नहीं है।

साथियों बात अगर हम माननीय कोर्ट द्वारा केस के तह तक जाने के लिए सवालों की करें तो,इससे पहले बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से ईवीएम और वीवीपैट से जुड़े चार सवाल पूछे थे।(1) कंट्रोल यूनिट या वीवीपैट में क्या माइक्रो कंट्रोलर स्थापित है?(2) माइक्रो कंट्रोलर क्या एक ही बार प्रोग्राम करने योग्य है?(3) ईवीएम में सिंबल लोडिंग यूनिट्स कितने उपलब्ध हैं?(4) चुनाव याचिकाओं की सीमा 30 दिन है और इसलिए ईवीएम में डेटा 45 दिनों के लिए संग्रहीत किया जाता है. लेकिन एक्ट में इसे सुरक्षित रखने की सीमा 45 दिन है। पिछले कुछ वर्षों में चुनाव प्रणाली का हिस्सा रहने वाली इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन विवादों में हैं। इसकी विश्वसनीयता पर उठते सवालों के चलते लगातार चुनावी प्रक्रिया को भी कठघरे में खड़ा किया जाता रहा है लेकिन आज देश की सर्वोच्च अदालत ने ईवीएम विवाद पर ऐतिहासिक फैसला सुनाया और वीवीपैट के ईवीएम से 100 फीसदी मिलान की मांग को खारिज कर दिया है।एक तरफ जहां सुप्रीम कोर्ट ने 100 प्रतिशतईवीएम वीवीपैट मिलान की याचिका खारिज की, तो दूसरी ओर बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग भी खारिज कर दिया है। कोर्ट ने इस ऐतिहासिक फैसले में चुनाव आयोग को भी कुछ सख्त आदेश दिए हैं और चुनाव सुधार को लेकरबयान दिया है।

साथियों बात अगर हम माननीय कोर्ट के दो महत्वपूर्ण निर्देशों की करें तो, पहला निर्देश यह है कि सिंबल लोडिंग प्रोसेस पूरी होने के बाद सिंबल लोडिंग यूनिट को सील किया जाना चाहिए और इसे 45 दिन तक सुरक्षित रखा जाना चाहिए, नतीजे में दूसरे और तीसरे नंबर पर आए उम्मीदवार चाहें तो परिणाम आने के सात दिन के भीतर दोबारा जांच की मांग कर सकते हैं,ऐसी स्थिति मेंइंजीनियरों की एक टीम द्वारा माइक्रो कंट्रोलर की मेमोरी की जांच की जाएगी जस्टिस महोदय ने कहा कि वीवीपैट वेरिफिकेशन का खर्चा उम्मीदवारों को खुद ही उठाना पड़ेगा यदि ईवीएम में गड़बड़ी पाई जाती है तो खर्च वापस कर दिया जाएगा। जस्टिस महोदय का कहना था कि किसी सिस्टम पर आंख मूंदकर संदेह करना ठीक नहीं हैलोकतंत्र, सभी स्तंभों के बीच सद्भाव और विश्वास बनाए रखने के बारे में है. विश्वास और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देकर हम अपने लोकतंत्र की आवाज को मजबूत कर सकते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि बैलेट पेपर व वीवीपीएटी पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला। बैलेट पेपर से चुनाव कराने व वीवीपीएटी स्लिप की 100 प्रतिशत क्रॉस चेकिंग का चैप्टर दि एंड-सुप्रीम कोर्ट ने सभी याचिकाएं खारिज की। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग के दिन, सुप्रीम कोर्ट में बैलेट पेपर वीवीपीएटी शत प्रतिशत मिलन की मांग को झटका लगा,पर फैसले का सम्मान होगा।

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

मैं ताड़ी.... मादक नहीं स्वास्थ्यवर्द्धक हूँ

कोलफील्ड मिरर 01 मई 2024: ताड़ी (पाम वाईन) एक वानस्पतिक पेय है, जो ताड़ की विभिन्न प्रजाति के वृक्षों के रस से बनती है। तथा ताड़ी अप्रैल माह से जुलाई माह तक ताड़ के पेड़ के फल से निकलता है। ताड़ी उत्तर प्रदेश, झारखण्ड एवं बिहार जो कि भारत के राज्य हैं एवं नदी समुन्द्र के तटवर्ती इलाको में अधिकतर पाया जाता है। जहां तक मेरी नॉलेज में है छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में ताड़ी को ही सल्फी कहा जाता है। ताड़ी में अल्कोहल की मात्रा लगभग 8.1% है और इसे प्राकृतिक अल्कोहल और केरल में एक स्वास्थ्यवर्द्धक पेय माना जाता है। ताड़ के पेड़ों पर चढ़ने का यह कृषि कार्य समाज के एक विशेष संप्रदाय द्वारा किया जाता है। उन्हें एझावा या थिय्या कहा जाता है और केरल एवं तमिलनाडु की लगभग 40% आबादी ऐसी है जो पीढ़ियों से यह कार्य करती आ रही है। ज्ञातव्य है कि ताड़ का वृक्ष लम्बे समय में तैयार होता है। ताड़ के बीज बोने और उसके पेड़ बनने से लेकर उससे ताड़ी प्राप्ति की अवस्था तक की प्रक्रिया में लगभग पचीस-तीस साल का समय लग जाता है। ताड़ी के पेड़ बीस से तीस फीट तक ऊँचे होते हैं और उस पर मटकी व अन्य बर्तन टाँग दिया जाता है। जिसमें ताड़ी रिसती रहती है। पेड के जिस स्थान से ताड़ी रिसती है वहाँ प्रतिदिन हत्थे से घिसाई करना पड़ती है, ताकि रिसने की गति कम न हो। उल्लेखनीय है कि सुबह के समय पेड़ से मिलने वाली ताड़ी मीठी एवं स्वादिष्ट होती है। इसको पीने पर नशा देरी से आता है। दोपहर में निकलने वाली ताड़ी थोड़ी कड़क और शाम के समय निकलने वाली तो अत्यंत ही नशीली रहती है। एक पेड़ से दस-बारह लोटी ताड़ी एक समय में निकल पाती है और एक लोटी की कीमत बीस से पचीस रुपए मिलती है।

सुबह निकलने वाली ताड़ी को नीरा कहते हैं, जोकि मीठे शरबत जैसी होती है। इन दिनों क्षेत्र में ताड़ी की अच्छी आवक होने लगी है। इन दिनों मुख्य रास्तों के किनारे जगह-जगह खुले में ताड़ी बिक रही है। ग्राम रंगपुरा निवासी तेरसिंह ने बताया कि वे रस्सी के सहारे ताड़ पर चढ़ते हैं और पेड़ के हत्थे के नीचे बँधी मटकियों में से ताड़ी निकालते हैं। अंचल में ताड़ी की अच्छी माँग रहती है। यहाँ ताड़ी के सीजन में बाहर से आने वाले मधुप्रेमी इसका मजा लेने से नहीं चूकते हैं। आदिवासियों के अलावा शहरी लोग भी भरपूर मात्रा में इसका सेवन करते हैं। कुछ लोगों का कहना है कि इस प्राकृतिक पेय को सीमित मात्रा में पिया जाए तो नुकसान नहीं करता, बल्कि पाचन क्रिया अच्छी रखता है। यहां पर मुझे अपने जीवन में घटी है घटना याद आ रही है जो करीब तीस साल पुरानी है। हुआ यूँ कि मुझे अपने दोस्त के घर वैवाहिक कार्यक्रम के लिए यूपी के पूर्वांचल इलाके में एक हफ्ते के प्रवास पर गया था। इस दौरान दोस्त के छोटे भाई की शादी थी और उनके गांव से बारात अन्य गांव की ओर जाना था, लेकिन बारात के पहले ही दिन मेरा पेट गड़बड़ हो चुका था। लगातार तेल मसालेदार खाने के कारण हाजमा पूरी तरह बिगड़ गया। न भूख लग रही थी ना कुछ भी खाने का मन हो रहा था। कोई अगर पूछे खाने के लिए तो गुस्सा आने लग गया था। मैंने जब इस बात का रोना रोया तो मेरे दोस्त के ही एक रिश्तेदार ने कहा कि मैं आपकी समस्या का समाधान एक घंटे के अंदर हल कर सकता हूँ। जैसे हीं उसने यह कहा मैं तुरंत राजी हो गया और मैने कहा जो भी हो मेरा हाजमा ठीक कर दोगे...? तब उसने कहा चुटकियों में कर सकता हूँ।

मैं तुरंत ही इसके लिए तैयार हो गया उसने तत्काल मुझे मोटरसाइकिल में बैठाया और ले गया उबड़खाबड़ रास्तों से होते हुए एक हरे भरे बाड़ी के बीच जहाँ मैंने देखा एक आदमी मटके मे कोई हल्का सफेद रंग का पेय पदार्थ रखा हुआ था। तो साहब दोस्त के रिश्तेदार ने उनसे एक गिलास मांगा और मुझे पीने के लिए दिया और कहा पी जाओ। मै परेशान...आव देखा न ताव, सारा गिलास खाली कर दिया। मैंने पाया कि इसका स्वाद चरपरा, खट्टा मीठा सा था। वास्तव में पीने के बाद ऐसा चमत्कार हुआ कि मेरा पेट घंटे डेढ़ घंटे में एकदम ठीक हो गया और मुझे खूब भूख लगने लगी। तो साहब मैंने उनसे पूछा यह क्या पदार्थ था तो उन्होंने हंसते हुए बताया यह और कुछ नहीं यह तो ताड़ी था। ताड़ी व्यवसाय से जुड़े लोग इन दिनों अलसुबह ही अपनी मोटरसाइकल पर केन बाँधकर दूर-दूर तक ताड़ी लेने के लिए निकल पड़ते हैं। एक मोटरसाइकल सवार अमूमन 100-125 लीटर ताड़ी प्रतिदिन लाकर विभिन्न बाजारों में बेच देता है। ग्रामीण क्षेत्र से लाकर बाजार में वह करीब चालीस पचास प्रतिशत अधिक भाव से बेचता है। मोटे अनुमान के अनुसार क्षेत्र में इन दिनों रोजाना हजारों रुपए का ताड़ी का व्यवसाय हो रहा है। पैकेज्ड पेय पदार्थों से पहले, प्रकृति से प्राप्त समान पेय पदार्थ, लंबे समय से देश भर के समुदायों और जनजातियों द्वारा पसंद किए जाते रहे हैं। उनमें से एक है ताड़ी, ताड़ के पेड़ के रस से निकाला गया एक पेय पदार्थ है जो मादक नहीं स्वास्थ्य वर्धक होता है।

हालांकि लोग इसे नशा करने के लिए भी पीते हैं। अधिक मात्रा में पीने से यह नशा भी करता है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात की सीमा से लगे पश्चिमी मध्य प्रदेश के जनजाति बहुल क्षेत्रों में ताड़ के पेड़ प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। आमतौर पर भील, भिलाला और पाटलिया जनजातियों के लोग इन ताड़ी के पेड़ों को अपने खेतों की मेड़ों पर उगाते हैं। इस क्षेत्र में एक लोकप्रिय कहावत है, 'बाप ताड़ का पेड़ बोये और बेटा ताड़ी निकलके बेचे' (पिता ताड़ का पेड़ बोता है और बेटा उस पेड़ से ताड़ी बेचता है)। एक पेड़ बीस-पचीस साल बाद ही इतना परिपक्व हो जाता है कि ताड़ी पैदा कर सके, और इन पेड़ों पर चढ़ने के लिए अभ्यास कौशल की आवश्यकता होती है; अधिकांश तीन मंजिला इमारतों जितने ऊंचे होते हैं। पीढ़ियों से, भील पिता अपने बेटों को यह जोखिम भरी लेकिन फायदेमंद तकनीक सिखाते रहे हैं, जिसमें पेड़ पर चढ़ते समय उनकी सहायता के लिए पैरों या कमर के चारों ओर एक मजबूत चमड़े की पट्टी का उपयोग किया जाता है। लोग ताड़ के पेड़ों पर ताड़ के खट्टे-मीठे, झागदार रस इकट्ठा करते हैं, जिसका वे बाद में उसी पेड़ की छाया में आनंद लेते हैं। सागौन, आम और महुआ के जंगलों से घिरे इन खेतों में, एक गिलास ताड़ी, एक मुट्ठी आग में भुने हुए हरे चने और कुछ मसालेदार सेव के साथ पीना - दिन की शुरुआत करने के लिए या रात को समाप्त करने के लिए बस इतना ही चाहिए। यहां ताड़ी आमतौर पर दो किस्मों में उपलब्ध होता है वंझ्या और फालन्या। वंझ्या जनवरी और फरवरी तक उपलब्ध रहता है, स्वाद के लिए आसान होता है और किण्वन के बाद इसमें अल्कोहल की मात्रा अधिक होती है। दूसरी ओर, फालन्या मार्च से मई तक उपलब्ध रहता है। निष्कर्षण प्रक्रिया, निश्चित रूप से, स्थानीय और सांस्कृतिक अनुकूलन को समायोजित करते हुए, देश भर में पाम वाइन के दोहन के समान है। ताड़ी टपर पेड़ के मुकुट को छीलता है और उसमें एक मिट्टी का बर्तन जोड़ता है - जिसे कुपलिया, वेरिया और कठोलिया सहित कई नामों से जाना जाता है। ताड़ी बाहर निकलती है और रात भर में एकत्र की जाती है। फिर सुबह होने से पहले पूरा बर्तन हटा दिया जाता है।

सुबह से पहले संग्रहण के बाद, ताड़ी को सूरज की रोशनी से दूर रखा जाना चाहिए; पेय में ग्लूकोज की मात्रा अधिक होती है और अगर इसे खुला छोड़ दिया जाए तो यह मधु मक्खियों को आकर्षित करता है। पेय का सेवन ऊर्जा और प्रतिरक्षा बूस्टर, पाचन में सहायता और अक्सर भूख को दबाने के रूप में किया जाता है, क्योंकि यह पेट को लंबे समय तक भरा और ठंडा रखता है। यह पर्याप्त मात्रा में सुक्रोज, प्रोटीन, एस्कॉर्बिक एसिड, अमीनो एसिड, विटामिन और फाइबर से भरपूर है। स्थानीय लोग सभी प्रकार की बीमारियों के घरेलू उपचार के रूप में ताड़ी पर भरोसा करते हैं। ताड़ी पीने के फायदे हैं वजन बढ़ाने में सहायक 2. ताड़ी के लाभ करें कब्ज को दूर 3. ताड़ी है पेट दर्द में लाभकारी 4. ताड़ी पीने के लाभ दिलाएं बुखार से राहत 5. ताड़ी के फायदे बनाएं हड्डियों को मजबूत 6. ताड़ी का उपयोग बढ़ाएं आँखों की रोशनी .7 ताड़ी हृदय के लिए लाभप्रद 8. ताड़ी के गुण बचाएं कैंसर 9. ताड़ी त्वचा के लिए बहुत ही लाभदायक होती है।

सुरेश सिंह बैस शाश्वत